मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, शनिवार 03 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-318, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

एशियाड में खत्म किया 44 साल का सूखा, ओलंपिक का टिकट पक्का

भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को कराकर जीता स्वर्ण

एजेन्सी, नागोया

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीत लिया है। भारत ने चीन को फाइनल में 1-0 से हराया। भारत ने इस तरह 1982 के बाद पहली बार एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता है। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 44 साल का सूखा समाप्त किया। इस जीत के साथ ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में बढ़त हासिल की और अंत तक इस बढ़त को बनाए रखा। भारत ने ना सिर्फ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, बल्कि चीन को स्वर्ण का बचाव करने से रोका।

शुरूआत से बनाया दबाव

भारतीय टीम ने चीन के खिलाफ पहले क्वार्टर से दबाव बनाया। बलजीत कौर को छठे मिनट में ग्रीन कार्ड मिला। लेकिन भारत ने चीन पर दबाव बनाया और भारत के लिए 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहीं लालरेमसियामी ने 10वें मिनट में मैदानी गोल दागा। इस तरह भारत ने शुरूआत में ही 1-0 की बढ़त बनाई। भारत को इसके बाद पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय टीम बढ़त दोगुना करने से चूक गई। हालांकि, पहला क्वार्टर समाप्त होने तक भारतीय टीम बढ़त बनाए रखी।

दूसरे क्वार्टर में चीन का आक्रमक खेल

चीन ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक खेल दिखाया और लगातार भारत पर दबाव बनाए रखा। चीन ने तब राहत की सांस ली, जब उसे पेनल्टी स्ट्रोक मिला। चीन के लिए बराबरी हासिल करने के यह शानदार मौका था, लेकिन भारतीय महिला टीम की अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया ने दमदार बचाव कर चीन को बराबरी करने से रोका। इसके बाद भी चीन का आक्रामण जारी रहा, लेकिन भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन कर चीन की हर कोशिश को नाकाम किया। दूसरे क्वार्टर में भारत अधिक डिफेंसिव होकर खेल रहा था। हाफ टाइम तक भारत 1-0 से आगे रहा। इस दौरान 28वें मिनट में वेन डान को ग्रीन कार्ड दिखाया गया।



चीन की रणनीति पर किस तरह फेरा पानी

भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में बढ़त ली, लेकिन चीन लगातार आक्रमण करता रहा। इस दौरान भारत ने डिफेंस में शानदार खेल दिखाया। भारत के पास बढ़त को बरकरार रखने की चुनौती थी। भारतीय खिलाड़ियों ने चीन के हर हमले को नाकाम किया और अंत तक बढ़त बनाए रखी। चीन ने आखिरी कुछ मिनटों में रणनीति में बदलाव किया और अपने गोलकीपर को बाहर बैठाया। चीन ने इस तरह अटैकिंग में एक अतिरिक्त खिलाड़ी को उतारा। लेकिन उसकी रणनीति सफल नहीं हुई क्योंकि भारत ने अंत में डिफेंस से ज्यादा अटैकिंग करने पर ध्यान दिया। जैसे ही अंतिम सीटी बजी भारतीय खेमा खुशी से झूम उठा। भारत के लिए लालरेमसियामी का एकमात्र गोल निर्णायक साबित हुआ। भारत पूरे टूनार्मेंट में अजेय रहा और आखिरकार 44 साल का सूखा समाप्त करने में सफल रहा।

किस कारण मैच शुरू होने में हुई देरी

भारत और चीन के बीच एशियन गेम्स में महिला हॉकी का फाइनल एक घंटे विलंब से शुरू हुआ क्योंकि टीमों की बसें रास्ते में ट्रैफिक में फंस गई। एक अधिकारी ने बताया कि रास्ते में एक हादसे की वजह से यह जाम लगा था हालांकि इसका टीम बसों से कोई सरोकार नहीं था। इस जाम की वजह से खिलाड़ी स्टेडियम देर से पहुंचे। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे से शुरू होना था, लेकिन ये 4:30 बजे से शुरू हुआ।

44 साल से नहीं जीता था गोल्ड

भारत ने एशियाई खेलों में एकमात्र स्वर्ण 1982 में दिल्ली में जीता था जब महिला हॉकी को पहली बार इन खेलों में शामिल किया गया था। उसके बाद से भारत 1998 और 2018 में फाइनल में पहुंचा लेकिन क्रमशः दक्षिण कोरिया और जापान से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। लेकिन सलीमा टेटे की अगुआई वाली इस टीम ने इस बार स्वर्ण जीतने का मौका नहीं छोड़ा। भारत और चीन के बीच अब तक 29 मुकाबले हुए हैं जिनमें से 12 चीन ने और 12 ही भारत ने जीते, जबकि पांच मैच ड्रॉ रहे हैं।

माउथ ऑर्गन के महाकुंभ में जुटे हैं 16 राज्यों के 180 कलाकार, सीएम ने भारतीय हार्मोनिका महोत्सव-2026 के 13 वें संस्करण का किया शुभारंभ

भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी की तरह है माउथ ऑर्गनः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माउथ ऑर्गन भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी के समान है। दोनों में सातों स्वर समाहित हैं। ईश्वर ने हमारे रोम-रोम में स्वरों का स्पंदन दिया है, बारिश की बूंद के आधार पर पैदा होने वाली ध्वनि से महादेव का डमरू दुनिया का पहला वाद्य यंत्र बना। यह सौभाग्य का विषय है कि प्रदेश में महाकाल और ओंकारेश्वर 2 ज्योतिर्लिंग हैं। बाबा महाकाल हमें जीवन देते हैं और ओंकारेश्वर के ॐ की ध्वनि से ही हम संगीत का रसास्वादन करते हैं। प्रभु श्री राम और भगवान श्रीकृष्ण के काल से ही हमारी संस्कृति में 64 कला और 14 विधाओं का विशिष्ट स्थान रहा है। हमारे सभी देवी-देवताओं के पास कोई एक वाद्य यन्त्र अवश्य मिलता है, देवताओं के हाथों में एक ओर शस्त्र नजर आता है तो दूसरी ओर शास्त्र। इन दोनों का मेल केवल सनातन संस्कृति में ही मिल सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार 13वें भारतीय हार्मोनिका महोत्सव 2026 के अंतर्गत इंडियन माउथ ऑर्गन प्लेयर्स मीट : 2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में माउथ ऑर्गन वादकों के अखिल भारतीय सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थी।



मध्यप्रदेश की धरती से संगीत परंपरा समृद्ध हो रही है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर भोपाल में भारतीय हार्मोनिका महोत्सव के विशेष आयोजन में देश के 16 राज्यों से लगभग 180 कलाकार प्रदेश की राजधानी भोपाल में जुटे हैं। इस अद्भुत आयोजन में 7 से 87 वर्ष की आयु तक के कलाकार अपनी माउथ ऑर्गन की प्रस्तुतियों से सभी को आनंदित कर रहे हैं। यह आयोजन केवल कलाकारों का मिलन नहीं है, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की भाषाई और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने वाले हार्मोनिका के साधकों का महाकुंभ है। वर्तमान समय में मध्यप्रदेश की धरती से संगीत परंपरा समृद्ध हो रही है। राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए कला-संस्कृति, उदयीमान कलाकारों सहित प्रत्येक क्षेत्र को आगे बढ़ा रही है।

राज्य सरकार कला संस्कृति को कर रही है प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विरासत से विकास के संकल्प के आधार पर मध्यप्रदेश सरकार कला-संस्कृति क्षेत्र को विशेष प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। प्रदेश की सांगीतिक परम्परा संगीत सम्राट तानसेन, बैजू बावरा और कुमार गंधर्व जैसी विभूतियों से समृद्ध रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ₹एक भारत-श्रेष्ठ भारत₹ की कल्पना की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी अपने ₹मन की बात₹ कार्यक्रम में देश के प्राचीन वाद्यों के कलाकारों का जिक्र करते हैं। भारत सरकार वाद्य यंत्रों के साधकों को पद्म पुरस्कार देकर सम्मानित भी कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय गीत-संगीत की परंपरा में बंगाल के कलाकारों का विशेष योगदान रहा है।

स्वागत....अभिनन्दन



देर रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भोपाल आगमन पर सीएम डॉ मोहन यादव ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया । साथ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को राजधानी भोपाल में गोपालक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप शामिल रहेंगे ।

नंदीग्राम उपचुनावः सीएम शुभेंदु ने ममता पर कसा तंज, कहा...

टीएमसी का नाम-सिम्बल मिट गया

एजेन्सी, नंदीग्राम

पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार हसीरानी रथ के समर्थन में प्रचार-प्रसार किया। इस दौरान सीएम ने पूर्व की ममता बनर्जी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य से तृणमूल कांग्रेस का नाम और चुनाव चिह्न मिट गया है। चुनाव आयोग द्वारा टीएमसी के ममता बनर्जी और अरूप रॉय गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस पार्टी ने राज्य में 15 साल तक शासन किया था, लेकिन इस साल मई में भाजपा ने उसे सत्ता से हटा दिया।

सीएम ने क्या अपील की?

भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने कहा, 'राज्य से तृणमूल कांग्रेस का नाम और चुनाव चिह्न मिट गया है।' राज्य में भ्रष्टाचार के मामलों में कई आरोपियों की गिरफ्तारी पर बिना किसी का नाम लिए सीएम ने कहा,



'मुख्य चोर भी जेल जाएगा।' चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने वोट के जरिए यह सुनिश्चित करें कि उपचुनाव में सभी विरोधी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो जाए। बता दें कि पूर्वी मेदिनीपुर के नंदीग्राम और मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में छह अक्तूबर को उपचुनाव होंगे। इसके पहले सीएम अधिकारी बीजेपी की कोर कमेटी बैठक में शामिल हुए थे। उस दौरान उन्होंने कहा था कि नंदीग्राम में जीत का अंतर आपकी सोच से कहीं ज्यादा होगा। मैं खुद नंदीग्राम का वोटर हूं; मैं यहीं अपना वोट भी डालूंगा, लोग मुख्यमंत्री का साथ देंगे।

पीएम मोदी ने की भारतीय पायलट की बहादुरी की तारीफ, बताया देश का गौरव

हिंदुस्तानी पायलट स्मित मच्छार ने 9/11 होने से बचा लिया

एजेन्सी, नई दिल्ली

पूरी दुनिया इस समय भारतीय पायलट स्मित मच्छार को सलाम कर रही है। उन्होंने ऐसी बहादुरी दिखाई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप हों या फिर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, सभी उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। स्मित मच्छार ने अपनी जान की परवाह किए बिना 180 लोगों को मौत के मुंह से वापस लाया। अगर वह अपनी जान की बाजी नहीं लगाते तो आज पूरी दुनिया एक भयानक हादसे को देख और सुन रही होती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी की तारीफ की। प्रधानमंत्री मोदी ने पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के धैर्य, साहस और सूझ-बूझ की सराहना करते हुए उन्हें हीरो बताया। उन्होंने कहा कि कैप्टन की सूझबूझ और हिम्मत से 9/11 जैसी बड़ी घटना होने से टल गई। उन्होंने कहा कि उनका पराक्रम ह्यहर देशवासी को गौरव से भर देता है।

श्री मोदी ने उनका अभिनंदन करते हुए लोगों से कैप्टन स्मित के उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया। श्री मोदी ने फ्लाईदुबई की उड़ान में घटी घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आज इजरायल के प्रधानमंत्री ने कहा कि इस हिंदुस्तानी ने 9/11 होने से बचा लिया। हर देशवासी के लिए स्मित का ये पराक्रम हमें गौरव से भर देता है। प्रधानमंत्री ने बताया कि उनकी आज मेरी स्मित के पिता भूपेंद्र भाई, उनकी माता गीता बहन और पत्नी बहन सोनल से भी बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कैप्टन स्मित का इलाज चल रहा है, आज पूरी दुनिया उन पर गर्व कर रही है। मैं देशवासियों से प्रार्थना करता हूं कि हम सब स्मित की दीर्घायु के लिए, स्मित के उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें, और भारत के गौरव को बढ़ाने वाले भाई स्मित का अभिनंदन करें।

नेतन्याहू का सलाम

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक्स पर कहा कि भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार



को उनकी जबरदस्त बहादुरी के लिए मेरा सलाम। उन्होंने कहा कि पायलट मच्छार ने चाकू लगने और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद मुकाबला किया, विरोध किया, कॉकपिट का दरवाजा खोला और यात्रियों और चालक दल को हमलावर पर काबू पाने में मदद की जिससे हवा में एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई। श्री नेतन्याहू ने कहा कि पायलट स्मित ने 174 लोगों की जान बचाई।

चाकू नहीं, कुल्हाड़ी से हुआ हमला

विमानन सुरक्षा के इतिहास में यह अपनी तरह की पहली और डरावनी घटना है, जहां किसी आपातकालीन जीवन रक्षक उपकरण का इस तरह दुरुपयोग किया गया हो। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में हुई इस वारदात ने दुनिया भर के सुरक्षा विशेषज्ञों को हिलाकर रख दिया है। एक तरफ जहां एयरपोर्ट पर यात्रियों के छोटे नेल कटर तक जब्त कर लिए जाते हैं, वहीं कॉकपिट में पहले से ही एक धारदार कुल्हाड़ी मौजूद रहती है। को-पायलट जैसे भरोसेमंद व्यक्ति द्वारा इसका इस्तेमाल किए जाने से साफ है कि केवल बाहरी सुरक्षा काफी नहीं है। हालांकि, विमान में सफर कर रहे एक इजरायली डॉक्टर ने समय रहते अपनी सूझबूझ और बहादुरी का परिचय दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और घायल कैप्टन की जान बच गई। जांच से यह साफ हुआ है कि हमलावर ओमानी को-पायलट बाहर से किसी भी तरह का चाकू या बाहरी हथियार तस्करी कर कॉकपिट में नहीं लाया था। उसने विमान के भीतर कॉकपिट में पहले से ही सुरक्षित रूप से रखे गए फायर एक्स यानी क्रैश एक्स का इस्तेमाल किया। अंतरराष्ट्रीय विमानन नियमों के अनुसार यह विशेष कुल्हाड़ी फैक्टरी में ही विमान के साथ फिट की जाती है और इसे हर फ्लाइट के कॉकपिट में रखना अनिवार्य कानूनी नियम है। इस अचानक हुए खूनी हमले में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार की गर्दन और सिर पर बेहद गंभीर चोटें आईं और उनकी हालत बेहद नाजुक हो गई थी।

इजरायली डॉक्टर बने देवदूत

जब कॉकपिट के अंदर यह खौफनाक संघर्ष चल रहा था और कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल होकर खून से लथपथ हो गए थे, तब फ्लाइट में अफरातफरी मच गई। ऐसे में विमान में यात्रा कर रहे एक इजरायली डॉक्टर ने अपनी पेशेवर सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत हस्तक्षेप किया।

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026

सहकार से समृद्धि



सांची Sanchi

गौपालक सम्मेलन

मुख्य अतिथि
अमित शाह
केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

भूमिपूजन
₹255 करोड़ का डेयरी प्लांट, उज्जैन

लोकार्पण
फर्मेंटेड मिल्क प्रोडक्ट प्लांट एवं
राज्यस्तरीय केन्द्रीय गुणवत्ता लैब, भोपाल
मिनी डेयरी संयंत्र, शिवपुरी

हितलाभ वितरण
दुग्ध संघ के पशुपालकों को बोनस
गौशालाओं को सहायता
कामधेनु योजना स्वीकृति पत्र वितरण

सम्मान
गौपालक दीदियों का

3 अक्टूबर 2026
बीएचईएल, दशहरा मैदान, भोपाल

मिल्क कैपिटल बनेगा
मध्यप्रदेश

9% से 20%
देश के कुल दुग्ध उत्पादन में
मध्यप्रदेश की हिस्सेदारी
बढ़ाने का लक्ष्य

10 लाख से 50 लाख लीटर प्रतिदिन
अगले 5 वर्षों में दुग्ध संकलन
करने का लक्ष्य

₹2,973 करोड़ की
दुग्ध उत्पादन और डेयरी क्षेत्र के
विकास के लिए योजनाओं को मंजूरी

26,000 गांवों में
दुग्ध सहकारी समितियों के
नेटवर्क के विस्तार का लक्ष्य

D-11132/26

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

3 से 7 अक्टूबर तक बीएचईएल दशहरा मैदान, भोपाल में होगी पाँच दिवसीय प्रदर्शनी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे नवीन न्याय संहिताओं पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

केंद्रीय गृह मंत्रालय के मार्गदर्शन में नवीन न्याय संहिताओं के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से भोपाल में पाँच दिवसीय भव्य प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। प्रदर्शनी का उद्घाटन 3 अक्टूबर को माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा किया जाएगा। यह प्रदर्शनी 3 से 7 अक्टूबर 2026 तक बीएचईएल दशहरा मैदान, गोविंदपुरा, भोपाल में आयोजित होगी।नवीन न्यायिक संहिता के अनुरूप आधुनिक एवं वैज्ञानिक अन्वेषण प्रणाली का सजीव प्रदर्शन प्रदर्शनी में नवीन न्यायिक संहिता के अनुरूप अपराध नियंत्रण, अन्वेषण तथा वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की संपूर्ण प्रक्रिया को सरल, सहज एवं सजीव रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें घटना घटित होने से लेकर साक्ष्य संकलन, वैज्ञानिक परीक्षण, अपराधियों की पहचान तथा न्याय दिलाने तक की कार्रवाई को क्रमबद्ध तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अंतर्गत घटना की सूचना डायल-112 अथवा ई-एफआईआर के माध्यम से प्राप्त होने के बाद पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया, थाना स्टाफ के घटनास्थल पर पहुंचने तथा आवश्यकता के अनुसार फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वॉड एवं फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का सजीव प्रदर्शन होगा। घटनास्थल से तकनीकी एवं वैज्ञानिक विधियों से साक्ष्य एवं नमूने एकत्र करने तथा उनकी सुरक्षित प्रक्रिया को भी प्रदर्शित किया जाएगा। वैज्ञानिक साक्ष्यों से अपराध के खुलासे तक की पूरी प्रक्रिया प्रदर्शनी में संकलित साक्ष्यों



एवं प्राप्त चिन्हों के तकनीकी परीक्षण और उपलब्ध पुलिस प्रणालियों के माध्यम से मिलान की प्रक्रिया को समझाया जाएगा। साक्ष्यों को फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (स्मस्रु) तथा आवश्यकतानुसार मेडिको-लीगल जांच के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया भी प्रदर्शित की जाएगी। वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराध की विवेचना को मजबूत बनाने तथा प्राप्त निष्कर्षों को प्रभावी ढंग से न्यायिक प्रक्रिया के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की कार्यप्रणाली को भी सजीव दर्शाया जाएगा। तकनीक और लाइव डेमो होंगे प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षण प्रदर्शनी में क्राइम सीन के 3ष्ठ मॉडल, डिजिटल डिस्प्ले, वीडियो तथा लाइव डेमो के माध्यम से आधुनिक अन्वेषण प्रणाली को प्रदर्शित किया जाएगा। क्राइम सीन पर साक्ष्य संकलन और वैज्ञानिक जांच की प्रक्रिया का सजीव प्रदर्शन विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। साइबर सुरक्षा के लिए 'सेफ क्लिक अभियान' तथा ऑनलाइन ई-जीरो एफआईआर की जानकारी भी नागरिकों को दी जाएगी। इसके साथ ही ऑपरेशन मुस्कान, महिला हेल्प डेस्क एवं जैसे जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से पुलिस की नागरिक-केंद्रित भूमिका को प्रदर्शित किया जाएगा। नागरिकों एवं विद्यार्थियों के लिए नवीन न्याय संहिताओं पर आधारित लाइव डिजिटल क्विज़ का भी आयोजन होगा। प्रदर्शनी में आधुनिक एवं वैज्ञानिक अन्वेषण प्रणाली के सजीव प्रदर्शन के साथ मध्यप्रदेश पुलिस की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। साइबर अपराधों की रोकथाम एवं उनके खुलासे में किए गए चलाये गए 'सेफ़ क्लिक' अभियान, ष्टष्ट्रङ्गहस्र के माध्यम से तकनीकी नवाचार एवं नेटवर्क के सफल क्रियान्वयन तथा नारकोटिक्स द्वारा चलाए गए 'नशे से दूरी हे जरूरी' अभियानों और उनमें प्राप्त प्रमुख उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी का उद्देश्य नागरिकों को नवीन न्याय संहिताओं में हुए महत्वपूर्ण बदलावों, अन्वेषण में तकनीक एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के बढ़ते उपयोग तथा अपराध नियंत्रण की आधुनिक कार्यप्रणाली से परिचित कराना है।

रिवर साइड एक्वा पार्क बना मत्स्यपालन, पर्यटन और स्वरोजगार का संगम

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से साकार हुआ मनोरंजन और रोजगार का अनूठा केंद्र

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ने पारंपरिक मत्स्यपालन को नई दिशा देते हुए इसे मनोरंजन, पर्यटन और स्वरोजगार से जोड़ने की संभावनाओं को साकार किया है। भोपाल जिले के विकासखंड फंदा के ग्राम ईटखेड़ी में श्री जलील मो. खान द्वारा स्थापित 'रिवर साइड एक्वा पार्क' इसका एक प्रेरक उदाहरण है। वर्ष 2022-23 में स्थापित यह इकाई आज मत्स्यपालन के साथ-साथ मनोरंजक गतिविधियों और विभिन्न आयोजनों के माध्यम से आय का अतिरिक्त स्रोत बन चुकी है। भोपाल शहर से लगभग 17 किलोमीटर दूर हलाली नदी के किनारे स्थित रिवर साइड एक्वा पार्क का निर्माण इस उद्देश्य से किया गया कि आगंतुकों को मत्स्यपालन से जोड़ने के साथ उन्हें मनोरंजन और परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने की सुविधाएं भी उपलब्ध हो सकें। लगभग 0.40 हेक्टेयर भूमि पर विकसित इस इकाई में सर्वप्रथम 0.50 हेक्टेयर क्षेत्रफल में तालाब का निर्माण किया गया। तालाब में लाइनर लगाकर जल संरक्षण की व्यवस्था की गई है। तालाब के समीप



बनाए गए प्लेटफॉर्म से आगंतुक मत्स्यपालन की गतिविधियों को नजदीक से देख सकते हैं और एंगलिंग के माध्यम से फिशिंग का आनंद भी ले सकते हैं। तालाब में मछलियों के साथ बत्तख पालन भी किया जा रहा है। आगंतुकों के लिए फ्लोटिंग फिश फूड के छोटे पैकेट उपलब्ध कराए जाते हैं, जिन्हें तालाब में डालने पर मछलियों को आहार ग्रहण करते हुए देखना बच्चों और परिवारों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनता है। रिवर साइड एक्वा पार्क में आगंतुकों के मनोरंजन के लिए मीडियम आकार का स्विमिंग पूल भी निर्मित किया गया है। परिवार के साथ आने वाले लोग यहां तैराकी का आनंद ले सकते हैं। जल मनोरंजन को और आकर्षक बनाने के लिए तालाब में पैडल बोट की सुविधा उपलब्ध है। विशेष अवसरों पर बोट पर समारोह आयोजित किए जाते हैं, जिससे उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित हो रही है। तालाब में उत्पादित ताजी मछलियों को आगंतुकों के लिए उपलब्ध कराने हेतु परिसर में फूड कोर्ट भी स्थापित किया गया है। यहां मछलियों से तैयार विभिन्न व्यंजन आगंतुकों को परोसे जाते हैं। इस प्रकार मत्स्य उत्पादन को सीधे उपभोक्ताओं और मनोरंजन गतिविधियों से जोड़ने का अभिनव प्रयास किया गया है। एक्वा पार्क में एक बड़ा लॉन विकसित किया गया है, जहां कॉर्पोरेट मीटिंग, जन्मदिन समारोह, प्री-वेडिंग फोटो शूट, नाइट कैंपिंग और स्कूल पिकनिक जैसे आयोजन किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त छोटे समारोहों के लिए बैंक्वेट हॉल तथा खान-पान की व्यवस्था के लिए बड़ा किचन भी निर्मित किया गया है। मत्स्यपालन केंद्र न रहकर परिवारों, युवाओं, विद्यार्थियों और विभिन्न आयोजनों के लिए मनोरंजन एवं पर्यटन का बहुउद्देशीय केंद्र बन रहा है।

भोपाल में रेलवे पुल संख्या 835/1 पर मरम्मत एवं संरचनात्मक कार्य के लिए 03 अक्टूबर से 06 दिसंबर तक यातायात बंद रहेगा



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल द्वारा अंडरपास (रेलवे पुल संख्या) 835/1 पर पुल की बैरल लंबाई बढ़ाने एवं आवश्यक संरचनात्मक सुधार कार्य किए जाने के कारण दिनांक 03 अक्टूबर 2026 से 06 दिसंबर 2026 तक उक्त पुल पर सड़क यातायात पूर्णतः बंद रहेगा। रेल प्रशासन द्वारा पुल की दीर्घकालिक संरक्षा एवं मजबूती सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग कार्य कराया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्य दिनांक 03 अक्टूबर 2026 को रात्रि 00:00 बजे से प्रारंभ होकर 06 दिसंबर 2026 को रात्रि 24:00 बजे तक चलेगा। इस अवधि में पुल से आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। रेल प्रशासन द्वारा संबंधित जिला प्रशासन एवं यातायात पुलिस से समन्वय स्थापित कर आम नागरिकों को आवश्यक सूचना एवं वैकल्पिक मार्गों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। रेल प्रशासन की आमजन से अपील है कि निर्धारित अवधि में उक्त पुल से आवागमन न करें तथा यातायात पुलिस एवं प्रशासन द्वारा निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। निर्माण कार्य के दौरान होने वाली असुविधा के लिए रेल प्रशासन खेद व्यक्त करता है तथा नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है।

शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी के आरोप में दो के खिलाफ एफआईआर दर्ज

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल/विदिशा**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कुरवाई वितरण केंद्र में शासकीय कार्य के दौरान ड्यूटी पर तैनात सहायक प्रबंधक श्री मदन सिंह अहिरवार के साथ मारपीट, गाली-गलौज, जातिगत अपमान, जान से मारने की धमकी एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने वाले दो व्यक्तियों के खिलाफ थाना कुरवाई में एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सहायक प्रबंधक श्री मदन सिंह अहिरवार अपने विभागीय कर्मचारियों के साथ कुरवाई स्थित सिरोज रोड पर एक उपभोक्ता के विद्युत संयोजन की जांच के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान मौके पर उपस्थित उवेश खान पुत्र श्री हुसैन बेग एवं बिलाल खान पुत्र श्री हुसैन बेग द्वारा शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए सहायक प्रबंधक के साथ गाली-गलौज एवं मारपीट की गई। शिकायत के अनुसार आरोपितों द्वारा उनकी शर्ट एवं कॉलर पकड़कर जान से मारने की धमकी दी गई तथा धक्का भी दिया गया। मौके पर उपस्थित विभागीय कर्मचारियों द्वारा बीच-बचाव किया गया। इस संबंध में सहायक प्रबंधक श्री मदन सिंह अहिरवार द्वारा कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत के माध्यम से थाना कुरवाई में एफआईआर दर्ज कराने का आवेदन प्रस्तुत किया गया। शिकायत में शासकीय कर्मचारी के साथ मारपीट, जातिगत अपमान, जान से मारने की धमकी एवं शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न किए जाने का उल्लेख किया गया है। शिकायत के आधार पर थाना कुरवाई में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 296(बी), 115(2), 132, 351(3) एवं 3(5) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। बिजली कंपनी के मैदानी कर्मचारियों और अधिकारियों को ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट एवं दुर्व्यवहार की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तत्काल एफआईआर कराने के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने कहा है कि प्रायः देखने में आ रहा है कि बिजली कर्मियों पर ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट एवं दुर्व्यवहार किया जा रहा है।



भारत भवन में अखिल भारतीय सिंधी नाट्य समारोह आज से

भोपाल। बहुकला केंद्र भारत भवन में 3 अक्टूबर से चतुर्थ अखिल भारतीय सिंधी नाट्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय यह समारोह भारत भवन और सिंधी साहित्य अकादमी के सहयोग से आयोजित हो रहा है। सुंदर अगनानी की स्मृति को समर्पित इस आयोजन का संयोजन सिंधी रंग समूह, भोपाल द्वारा किया गया है। समारोह के संयोजक मनोहर अगनानी ने बताया कि समारोह के पहले दिन शाम 6.30 बजे जय पंजवानी के निर्देशन में नाटक 'मिस्टर एंड मिसेस बोलना...नी' का मंचन होगा। 'ही छा थी व्यो' नाटक प्रस्तुत किया जाएगा। समारोह के अंतिम दिन 4 अक्टूबर को शंकर मूलवानी द्वारा निर्देशित नाटक 'शादी शर्त सां' का मंचन होगा। इसके बाद शाम 7.40 बजे अशोक बुलानी के निर्देशन में 'जिंदगी जा रंग' का मंचन होगा।

राजभाषा हिंदी हमारे लिए आत्मीयता, संवेदना और संस्कृति का दर्पण: प्रफुल्ल वी. कोहाड़े

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

राजभाषा अनुभाग, सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, पश्चिम मध्य रेल, भोपाल द्वारा राजभाषा पखवाड़ा-2026 के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री प्रफुल्ल वी. कोहाड़े ने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग किसी औपचारिक पखवाड़े तक सीमित न रहकर हमारे दैनिक सरकारी कामकाज एवं जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। हिंदी हमारे लिए आत्मीयता, संवेदना और संस्कृति का दर्पण है। यदि हम आज संकल्प लें, तो हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग से इसे अपने घर-परिवार, प्रदेश और देश ही नहीं, बल्कि विश्व की अग्रणी भाषा बना सकते हैं। समारोह में राजभाषा पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा हिंदी में श्रेष्ठ कार्य करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद धनराशि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के राजभाषा संदेश का वाचन पी. एस. रघुवंशी, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, द्वारा किया गया। कारखाने की राजभाषा पत्रिका के नवीन प्रकाशित अंक



'राजभाषा विशेषांक' का अतिथियों ने लोकार्पण किया। कारखाने की सांस्कृतिक अकादमी द्वारा 'मन की भाषा' नाटक का मंचन किया गया। युवा कवि सुखेन्द्र साहू ने हिंदी गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में 'हिंदी में हस्ताक्षर करें' अभियान का समापन भी किया गया। यह हस्ताक्षर अभियान 16 सितंबर 2026 को राजभाषा पखवाड़े के शुभारंभ अवसर पर शुरू किया गया था। कार्यक्रम का सफल संचालन युवा कवि कुमार अखिलेश एवं जयश्री ठाकुर ने किया। कार्यक्रम के अंत में संदीप शर्मा, सहायक कार्मिक अधिकारी एवं संपर्क राजभाषा अधिकारी, ने कार्यक्रम के संयोजक एवं आयोजक राकेश कुमार मालवीय, वरिष्ठ अनुवादक, सहित कार्यक्रम से जुड़े सभी हिंदी प्रेमियों को बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया।

दिल्ली प्रैस की कृषि पत्रिका 'फार्म एन फूड' द्वारा में 'राज्य स्तरीय फार्म एन फूड कृषि सम्मान अवार्ड' का आयोजन

भोपाल में हुआ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के किसानों का राज्य स्तरीय सम्मान: सुनील शर्मा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के आईसीएआर-सीआईएई संस्थान में 30 सितंबर, 2026 को दिल्ली प्रैस की कृषि पत्रिका 'फार्म एन फूड' द्वारा में 'राज्य स्तरीय फार्म एन फूड कृषि सम्मान अवार्ड' का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के 200 से ज्यादा किसान और कृषि वैज्ञानिक शामिल हुए और खेती में नवाचार और तकनीकी के जरीए विभिन्न श्रेणियों में बदलाव लाने वाले तकरीबन 40 किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि विज्ञान केंद्रों को राज्य स्तरीय 'फार्म एन फूड कृषि सम्मान अवार्ड' से सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम की शुरुआत में परेश नाथ, संपादक और प्रकाशक, दिल्ली प्रैस ने किसानों को संबोधित करते हुए अपने विचार रखे, 'खेती को उद्योग समझ कर काम किया जाए, क्योंकि कृषि के बिना कोई भी समाज या देश नहीं चल सकता. पर किसान को उस की कड़ी मेहनत का पूरा मेहनताना नहीं मिलता है. उसे अपने काम की सही कीमत नहीं मिलती है. लिहाजा, हर किसान अपनेआप में उद्योगपति बने. वह केवल कच्चा माल न बेचे, बल्कि फूड प्रोसैसिंग पर भी ज्यादा ध्यान दे. 'इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्यान विज्ञान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री, मध्य प्रदेश, नारायण सिंह कुशवाह ने इस समारोह में अपने विचार रखते हुए कहा, 'समय पर फसल लगने से उस का उत्पादन बढ़ता है, गुणवत्ता



बढ़िया रहती है और कीमत भी अच्छी मिलती है. मध्य प्रदेश में किसानों के काफी अच्छा काम किया है. खेती का रकबा बढ़ा है. यह प्रदेश मसाले की खेती में नंबर एक है. हम फलों में भी आगे बढ़े हैं. 12 फसलों को जीआई टैग मिला है. ' कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और मध्य प्रदेश सरकार में कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने कहा, 'सीखने की कोई उम्र नहीं होती और किसान हमेशा सीखता है. वह नवाचार करता है, नई तकनीक इस्तेमाल करता है. जब किसान के पास पर्याय खाद होगी और दूसरी सुविधाएं मुहैया होंगी, वह इस क्षेत्र में और आगे बढ़ेगा. ' जयराम गायकवाड़, बैतूल, मध्य प्रदेश, बैस्ट फार्मर अवार्ड इन ओर्गेनिक/नैचुरल फार्मिंग. लाखन सिंह गेहलोत, इंदौर, मध्य प्रदेश, बैस्ट फार्मर अवार्ड इन फील्ड क्राप्स. गोगावां एफपीसीएल, खरगोन, मध्य प्रदेश, बैस्ट एफपीओ अवार्ड. निमाड़ फ्रैश कृषि विकास एफपीसीएल, खरगोन, मध्य प्रदेश, बैस्ट एफपीओ अवार्ड. तौसीफ अली, बुरहानपुर, मध्य प्रदेश, बैस्ट डेयरी/एनिमल कीपर अवार्ड. देवेन शर्मा बुरहानपुर, मध्य प्रदेश. बैस्ट फार्मर अवार्ड इन वाटरमैलन फार्मिंग. सुगम कुशवाह, भिंड, मध्य प्रदेश, बैस्ट फार्मर अवार्ड इन इंटीग्रेटेड फार्मिंग. श्याम सिंह कुशवाह, भोपाल, मध्य प्रदेश, बैस्ट फार्मर अवार्ड इन इंटीग्रेटेड फार्मिंग. अशोक मीना, भोपाल, मध्य प्रदेश, बैस्ट फार्मर अवार्ड इन नैचुरल फार्मिंग. अरविंद धाकड़, रतलाम, मध्य प्रदेश, बैस्ट हाईटैक फार्मर अवार्ड. ब्रजेंद्र सिंह रावत, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, बैस्ट फार्मर अवार्ड इन मार्केटिंग. शिवम मुकाती, बड़वानी, मध्य प्रदेश, बैस्ट यंग फार्मर अवार्ड. मोहन सिंह सिसोदिया, खरगोन, मध्य प्रदेश, बैस्ट फार्मर अवार्ड इन इनोवेटिव फार्मिंग. ईश्वर लाल पाटीदार, कालूखेड़ा, रतलाम, मध्य प्रदेश, बैस्ट विलेज टूरिज्म अवार्ड. ह्रदेश त्यागी, मुरैना, मध्य प्रदेश, बेस्ट फार्मर अवार्ड इन पल्स प्रोडक्शन.

संपादकीय

बेटियों को गोल्ड राशि मिले

कुछ फैसले ऐसे भी होते हैं कि जहां अभिलाषा का समुद्र और गहरा हो जाता है। बेशक एशियन गेम्स ने इस बार हिमाचल के आईने में झांका तो कई मेडल के करीब यहां की प्रतिभा दिखाई दी। यही वजह रही कि हिमाचल सरकार ने अपने पैमाने से 5.33 करोड़ की नकद राशि छह खिलाड़ि?ों के नाम कर दी। यहां मेडल की निजी भूमिका में अंदाज बदला तो अब आबंटन के मानदंड पर एक बहस शुरू हुई है।

मैराथन में सावन बरवाल को 2.50 करोड़, लंबी दौड़ में सीमा कुमारी को 1.50 करोड़ और कबड्डी की चार खिलाड़ि?ों को करीब 1.33 करोड़ का संयुक्त पुरस्कार मिला है। इस संदर्भ में कबड्डी खिलाड़ि?ों ने गोल्ड मेडल के पैमाने को इंसाफ से भरने की दुआ मांगी है। तर्क यह है कि एशियन गेम्स के गोल्ड मेडल को चार करोड़ की राशि रखी है, तो इसे रितु नेगी, पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर और भावना ठाकुर के बीच बराबर में बांट दिया जाए। दूसरी ओर भारतीय कबड्डी के जो खिलाड़ी हरियाणा से आती हैं, उन्हें वहां की सरकार तीन-तीन करोड़ की राशि दे रही है।

हमें लगता है कि एशियन गेम्स में गोल्ड तक पहुंचने में हिमाचली बेटियों की भागीदारी इतना तो अधिकार रखती है कि उनका अपना प्रदेश सम्मानजनक भविष्य की कामना में न केवल उचित व वांछित राशि प्रदान करे, बल्कि सरकारी नौकरी का तमगा भी पेश करे। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल पिछले कुछ सालों से खेलों के प्रति उदारता दिखाते हुए खिलाड़ि?ों की पुरस्कार राशि में निरंतर बढ़ोतरी कर रहा है। खेल वातावरण में सुधार की गुंजाइश से अधोसंरचना निर्माण तथा प्रशिक्षण में भी चमक लाई जा रही है। सर्वप्रथम धूमल सरकार ने प्रशिक्षण में प्रतिबद्धता तथा अधोसंरचना में निखार लाने का प्रयास किया।

प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने न केवल 45 के करीब विभिन्न खेलों के लिए कोच नियुक्त किए, बल्कि कारपोरेट जगत की मदद से हमीरपुर व धर्मशाला में सिंथेटिक ट्रैक्स का निर्माण करवाया। यह दीगर है कि हालिया वर्षों में भारतीय खेल प्राधिकरण के धर्मशाला केंद्र में कुछ खेलें मौन या गौण हो गई हैं। प्रदेश को अगर खेलों में और प्रतिभाएं लानी हैं, तो ग्रामीण व स्कूल गेम्स को बढ़ावा देना होगा। आश्चर्य यह कि हिमाचल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध कई निजी व सरकारी स्कूलों में खेलों की माकूल व्यवस्था ही नहीं है। इसी तरह राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षा का वातावरण मुकम्मल करते-करते खेलें पिछड़ गई।

पंजाब के गुरुनानक विश्वविद्यालय का उदाहरण हमारे समक्ष है, जहां हिमाचल के कई प्रतिभावान खिलाड़ी पढ़ाई के बीच अपना जज्बा कायम रखते हैं। गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अपने छात्रों के लिए हिमाचल में समर कैंप तथा वाटर स्पोर्ट्स के लिए अभ्यास कराता रहा है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश तथा मंडी विश्वविद्यालय को भी समर कैंप शुरू करने चाहिएं। हिमाचल को खेलों में मुकम्मल जगह बनानी है, तो मणिपुर से सीख लेनी चाहिए। आश्चर्य यह नहीं कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने कुछ नहीं किया, बल्कि यह जरूर है कि सत्ता बदलते ही परियोजनाएं भी बदल जाती हैं।

बतौर खेल मंत्री राकेश पठानिया ने नूरपुर स्पोर्ट्स परिसर को एक महत्त्वाकांक्षी आकार देने की ठानी, लेकिन बदलती राजनीति ने इसे उपेक्षित कर दिया। हिमाचल में खेलों के ठोस आधार के लिए यहां एक बार राष्ट्रीय खेलों का आयोजन होना चाहिए ताकि एक ही साथ कई स्थानों पर खेल ढांचा विकसित हो जाए। बहरहाल देश के लिए कबड्डी में गोल्ड लेकर आईं चार हिमाचली बेटियों द्वारा की गई न्यायोचित पुरस्कार राशि की मांग पर सौहार्दपूर्ण विचार करते हुए सुक्खू सरकार को पूर्व घोषित राशि में बढ़ोतरी कर देनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस बार भारतीय महिला कबड्डी का नेतृत्व हिमाचली बेटी पुष्पा राणा ही कर रही थी।

तैंतीस हजार फीट की ऊँचाई पर कैप्टन स्मित का ऐतिहासिक शौर्य

डॉ दीपक कोहली

दशकों से उड्डयन उद्योग का पूरा ध्यान यात्रियों की सघन चेकिंग, सामान की स्कैनिंग और बाहरी खतरों को रोकने पर केंद्रित रहा है। लेकिन जब खतरा खुद उस व्यक्ति से हो जिसे सैकड़ों लोगों की सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है, तो फिर सुरक्षा के पैमाने क्या होने चाहिए? उड़ान से पूर्व पायलटों और सह-पायलटों की केवल शारीरिक फिटनेस ही काफी नहीं है, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य, उनके अव??? के स्तर, उनके उग्रवादी या चरमपंथी झुकाव और उनके व्यक्तिगत तनावों की निरंतर और वैज्ञानिक जाँच किया जाना समय की सबसे बड़ी माँग बन चुकी है।

दुबई से तेल अवीव की ओर उड़ान भरते फ्लाईदुबई के विमान संख्या एफजेड 1073 के भीतर तैंतीस हजार फीट की अभूतपूर्व ऊँचाई पर जो दिल नहला देने वाली अप्रत्याशित घटना घटी, उसने न केवल समूचे वैश्विक विमानन जगत की सुरक्षा व्यवस्था की चूलें हिला दी हैं, बल्कि मानव इतिहास में अदम्य साहस, असाधारण प्रत्युत्पन्नमति और सर्वोच्च कर्तव्यनिष्ठा की एक ऐसी स्वर्णिम इबारत भी लिख दी है जिसे आने वाली सदियाँ अत्यंत गर्व के साथ याद रखेंगी।

शून्य से कई डिग्री नीचे के तापमान और हवा के प्रचंड दबाव के बीच जब कॉकपिट की संकीर्ण परिधि में मृत्यु साक्षात अट्टहास कर रही थी, तब भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस तरह लहूलुहान अवस्था में भी अपने जीवन की अंतिम सांस तक संघर्ष करते हुए एक भीषण त्रासदी को टाला, उसने यह साबित कर दिया कि जब इंसान का संकल्प और कर्तव्यबोध अटूट हो, तो भयानक से भयानक विपत्ति भी उसके आगे घुटने टेकने पर मजबूर हो जाती है। सह-पायलट के रूप में साथ बैठे व्यक्ति द्वारा अचानक किए गए हिंसक जानलेवा हमले और विमान को जानबूझकर तेज गति से नीचे की ओर धकेल कर भीषण तबाही में बदलने की आत्मघाती साजिश के बीच कैप्टन स्मित ने जिस अद्वितीय वीरता का परिचय दिया, उसने विमान में सवार एक सौ चौहत्तर से अधिक निर्दोष यात्रियों और क्रू सदस्यों के जीवन की रक्षा तो की ही, साथ ही गगन की गहराइयों में मानवता की विजय का एक अमर जयघोष भी किया।

इस समूचे घटनाक्रम को यदि दैनिक जीवन और अंतरराष्ट्रीय उड्डयन सुरक्षा के बहुआयामी परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो यह केवल एक सनकी व्यक्ति की आपराधिक करतूत या एक पायलट के त्वरित प्रत्युत्तर का सामान्य विवरण भर नहीं है, बल्कि यह संकट प्रबंधन, असीम शारीरिक व मानसिक सहनशक्ति और अंतर-सांस्कृतिक एकजुटता का वह अनुपम उदाहरण है जो यदा-कदा ही देखने को मिलता है। मध्य आकाश में जब विमान पूरी तरह स्वचालित या अर्ध-स्वचालित प्रणालियों के सहारे अपनी निर्धारित गति से बढ़ रहा था, तब किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि कॉकपिट की सुरक्षा के लिए बने अभेद्य सुरक्षा किलों के भीतर से ही कोई काल बनकर उभर आएगा। सह-पायलट के सिर पर सवार हुए चरमपंथी अथवा विक्षिप्तता के भूत ने जिस क्षण विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर उसे जानबूझकर गहरी गिरावट की ओर मोड़ा, उसी क्षण कॉकपिट के भीतर का वातावरण किसी भयावह दुःस्वप्न में बदल गया।

अचानक हुए इस तीखे हमले में कैप्टन स्मित गंभीर रूप से घायल हो चुके थे, उनके शरीर से अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था और शारीरिक वेदना अपने चरम पर थी, किंतु ऐसे संकट के समय में भी उनका मस्तिष्क और विवेक पूरी तरह जागृत था। एक सामान्य मानव स्वभाव ऐसी स्थिति में भयभीत होकर आत्मसमर्पण कर सकता था या अपनी जान बचाने के लिए रक्षात्मक मुद्रा में आ सकता था, लेकिन कैप्टन स्मित ने अपने व्यक्तिगत अस्तित्व और पीड़ा को एक तरफ रखते हुए केवल उन सैकड़ों जिंदगियों के बारे में सोचा जो उनके निर्णयों पर टिकी हुई थीं।

कैप्टन स्मित द्वारा लहूलुहान अवस्था में भी हमलावर सह-पायलट से लगातार जूझते रहना और उसी घमासान के बीच एक-एक सेकंड का सही उपयोग करते हुए कॉकपिट का सुरक्षित लॉक खोल देना, उनकी रणनीतिक दूरदर्शिता और असाधारण सूझबूझ को दशार्ता है। ग्यारह सितंबर के कुख्यात आतंकवादी हमलों के पश्चात दुनिया भर में नागरिक विमानन के नियमों को सख्त करते हुए कॉकपिट के दरवाजों को इस तरह डिजाइन किया गया था कि बाहर से कोई भी अवांछित व्यक्ति या उपद्रवी किसी भी सूरत में अंदर प्रवेश न कर सके। लेकिन सुरक्षा की यही अभेद्य दीवार उस दिन एक दोधारी तलवार बन चुकी थी, क्योंकि खतरा बाहर से नहीं बल्कि अंदर से पैदा हुआ था।

ऐसे में यदि कैप्टन स्मित अंतिम क्षणों में साहस का परिचय देकर कॉकपिट का आपातकालीन दरवाजा न अनलॉक करते, तो बाहर मौजूद केबिन क्रू और यात्रियों को कभी भी यह अहसास नहीं हो पाता कि कॉकपिट के भीतर कितना भयानक खेल खेला जा रहा है और विमान तेजी से जमीन की ओर क्यों गिर रहा है। उनके द्वारा खोले गए उस एक दरवाजे ने बाहर मौजूद ऑफ-ड्यूटी पायलटों, सजग क्रू मेंबर्स और यात्रियों को अंदर घुसने और हमलावर को काबू में करने का वह जीवनरक्षक मार्ग प्रदान किया जिसने इतिहास की एक सबसे दर्दनाक हवाई दुर्घटना को एक अभूतपूर्व विजय गाथा में तब्दील कर दिया।

इस पूरी घटना का एक अत्यंत सुंदर और प्रेरणादायक पहलू वह वैश्विक मानवीय एकजुटता भी है जो संकट के उस महा-समुद्र में स्वतःस्फूर्त होकर उभरी। जब कॉकपिट का दरवाजा खुला और भीतर का भयावह दृश्य सामने आया, तब जातीय, राष्ट्रीय, धार्मिक और वैचारिक सीमाओं से परे हटकर यात्रियों और क्रू मेंबर्स ने एक जैसा साहस दिखाया। भारतीय कैप्टन के बहते खून और उनके अदम्य संघर्ष को देखकर इजराइली, यूरोपीय और अन्य देशों के यात्रियों ने बिना एक पल की देरी किए कॉकपिट में प्रवेश किया और हमलावर सह-पायलट को दबोच लिया। यह दृश्य इस बात का सजीव प्रमाण है कि जब मानवता पर कोई बड़ा संकट मंडराता है, तो मनुष्य की अंतरात्मा में छिपा भ्रातृत्व और साहस का भाव जागृत हो जाता है और वह हर प्रकार के पूर्वाग्रहों को भुलाकर एक दूसरे की ढाल बन जाता है। सऊदी अरब के तबूक हवाई अड्डे पर विमान की जो सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, वह केवल यांत्रिक सफलता नहीं थी, बल्कि विभिन्न देशों के पायलटों, एटीसी कंट्रोलर्स और केबिन क्रू के बीच के उस उत्कृष्ट समन्वय का प्रतिफल थी, जिसकी नींव कैप्टन स्मित मच्छार के प्रारंभिक प्रतिकार और बलिदान ने रखी थी।

हालाँकि, इस साहसिक प्रकरण की अपार सफलता और कैप्टन स्मित की वैश्विक प्रशंसा के बीच, यह घटना विश्व भर की विमानन सुरक्षा एजेंसियों और नीति-निमार्ताओं के सामने कई यक्ष प्रश्न भी खड़े करती है जिनका उत्तर ढूँढना अब अनिवार्य हो गया है।

पंजाब के विश्वविद्यालयों में तोडफोड़ क्यों ?

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

यह सुकून की राजनीति है। लेकिन राजनीति केवल सुकून के लिए नहीं होती। सुकून उसका एक छोटा सा हिस्सा हो सकता है। यदि मान भी लिया जाए कि अशोक मित्तल की यूनिवर्सिटी का उत्पात केवल सुकून के लिए था, तब भी इस राजनीति के बड़े हिस्सों की भी आखिर तलाश तो करनी ही होगी। इस राजनीति का एक हिस्सा कहीं न कहीं जंतर मंतर पर काकरोचों के उत्पात से जुड़ता दिखाई तो नहीं दे रहा? किसी विश्वविद्यालय में यदि कहीं छात्र सडक पर उतरते हैं, तो वह विश्वविद्यालय चाहे किसी भी प्रान्त में न हो, अपने व्यापक सन्दर्भ में वह देश के छात्र आन्दोलन से जुड़ता है। छात्रों का सन्दर्भ क्षेत्रीय नहीं रहता, वह सदा ही अखिल भारतीय सन्दर्भों से जुड़ता है या जोड़ा जा सकता है।



अफवाह फैलाने के बाद उस पर उग आई फसल को कैसे काटना है, इसके लिए पूरा नेटवर्क चाहिए। यह काम नेटवर्क के बिना नहीं हो सकता। अफवाह फैलाने और उसके फैलने से बने स्पेस में तोडफोड़ के लिए छात्रों के रूप में जो लोग आए उनको पुलिस ने विश्वविद्यालय के अन्दर कैसे जाने दिया? ये सब ऐसे प्रश्न हैं जिनके उत्तर ढूंढने की बजाय उत्तर छिपाने की कोशिश हो रही है। जम्मू कश्मीर के एक लडके की उस दिन की एक पोस्ट सामने आ रही है, जिसमें सार रूप में वह कह रहा है सवाल इतना सरल नहीं है। असल मुद्दा ह्यसवाल पूछने के अधिकारह्ण का है। हमें सवाल पूछने नहीं दिए जा रहे। सवाल पूछने को प्रतिबन्धित किया जा रहा है। यह भाषा राहुल गान्धी की भी है। वह भी देश भर में यह कहते हुए घूम रहे हैं कि सवाल नहीं पूछने दिए जा रहे। वही छात्र कहता है कि इसीलिए गुस्से में आकर मैंने तोडफोड़ की है। लेकिन यहां तो मसला और भी उलझा हुआ है। जिस घटना पर सवाल पूछने की बात कही जा रही है, उस काल्पनिक घटना की अफवाह भी एक षड्यंत्र के तहत फैलाई गई

पिछले कुछ दिन पहले पंजाब के दो प्राईवेट विश्वविद्यालयों में एक साथ भयानक हिंसा और तोडफोड़ हुई। अभी उसकी जांच चल रही है, इसलिए उसके बारे में अभी कुछ कहना मुश्किल है। लेकिन इस जांच का एक बिन्दु कई साल पहले की अरविन्द केजरीवाल की कार्यप्रणाली में जुड़ता दिखाई दे रहा है। अरविन्द केजरीवाल जिन दिनों दिल्ली के रामलीला मैदान में महाराष्ट्र के अन्ना हजारे को आगे करके अपनी भविष्य की राजनीति की रणनीति बना रहे थे तब कुछ लोग आरोप लगा रहे थे कि केजरीवाल अराजकता फैलाना चाह रहे हैं। इसका उत्तर केजरीवाल ने यह कह कर दिया था कि वे सचमुच अराजकता फैलाना चाह रहे हैं।

उनको दिल्ली की सत्ता उनकी इसी रणनीति के कारण मिली थी, यकीनन केजरीवाल ऐसा मानते होंगे। अब पंजाब की ओर। पंजाब में केजरीवाल की पार्टी की सत्ता खतरे में है। ऐसा माना जा रहा है कि आगामी पंजाब विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव के नतीजे चाहे कुछ भी हों, सरकार कोई भी हो, लेकिन केजरीवाल सत्ता से बाहर होंगे। वे अभी भी पंजाब की राजनीति में प्रासंगिक बने रहना चाहते हैं। प्रासंगिक होंगे तो दिल्ली में इंडी की मीटिंग में बैठने के लिए कुर्सी मिलेगी, नहीं तो वहां की कुर्सी भी छिन जाएगी। क्या प्रासंगिक बने रहने के लिए दिल्ली की तरह पंजाब में भी अराजकता का खेल खेलने की तैयारी हो रही है? क्या पंजाब के दो विश्वविद्यालयों में हुई हिंसा और अराजकता को इस पृष्ठभूमि में देखा जा सकता है? इससे जुड़ा एक दूसरा प्रश्न भी है। अराजकता के प्रयोग के लिए विश्वविद्यालयों का चयन ही क्यों किया गया, इसका एक सरल और सीधा उत्तर तो यही हो सकता है कि एक विश्वविद्यालय के मालिक आम आदमी पार्टी की ओर से राज्यसभा के सदस्य थे, लेकिन बाद में वे आम आदमी पार्टी की रस्सी तुड़ा कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे, इसलिए उन्हें सजा देना जरूरी था।

यह सुकून की राजनीति है। लेकिन राजनीति केवल सुकून के लिए नहीं होती। सुकून उसका एक छोटा सा हिस्सा हो सकता है। यदि मान भी लिया जाए कि अशोक मित्तल की यूनिवर्सिटी का उत्पात केवल सुकून के लिए था, तब भी इस राजनीति के बड़े हिस्सों की भी आखिर तलाश तो करनी ही होगी। इस राजनीति का एक हिस्सा कहीं न कहीं जंतर मंतर पर काकरोचों के उत्पात से जुड़ता दिखाई तो नहीं दे रहा? किसी विश्वविद्यालय में यदि कहीं छात्र सडक पर उतरते हैं, तो वह विश्वविद्यालय चाहे किसी भी प्रान्त में न हो, अपने व्यापक सन्दर्भ में वह देश के छात्र आन्दोलन से जुड़ता है। छात्रों का सन्दर्भ क्षेत्रीय नहीं रहता, वह सदा ही अखिल भारतीय सन्दर्भों से जुड़ता है या जोड़ा जा सकता है। जब से काकरोच जंतर मंतर पर सक्रिय हुए हैं तब से यह चर्चा भी गर्म रहती है कि ये काकरोच तो लम्बे अरसे से अरविन्द केजरीवाल के आसपास घूमते देखे गए थे। हो न हो इन्हें नए रूप में केजरीवाल ने ही सही समय देखकर जंतर मंतर पर छोड़ दिया हो। सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इन काकरोचों को देश की युवा पीढ़ी और विश्वविद्यालयों के छात्रों के साथ नत्थी कर दिया गया और इस प्रयोग से देश के शिक्षा मंत्री को इस्तीफा भी देना पड़ा। क्या पंजाब के दो विश्वविद्यालयों में हुआ उत्पात इसी प्रयोग का दूसरा हिस्सा है?

कहा जा सकता है कि यह प्रयोग पंजाब में करने का क्या लाभ हो सकता है, क्योंकि पंजाब में तो पहले ही केजरीवाल का राज है। इससे तो केजरीवाल की सरकार को ही नुकसान हो सकता है। लेकिन हो सकता है उत्पात मचा रहे इन छात्रों को जल्दी ही जेन-जी घोषित कर दिया जाता और व्यापक सन्दर्भ में इसे देशव्यापी छात्र असंतोष से जोड़ दिया जाता। इसलिए इस पूरे प्रकरण की जांच बहुत लाजिमी है। निष्पक्ष जांच और भी जरूरी है। क्योंकि इस ह्यअराजकता कांडह्ण में पुलिस की भूमिका पर भी शक की उंगलियां उठ रही हैं। जिस बलात्कार की घटना को लेकर इतना बवाल खड़ा किया गया, अब वह कांड ही गायब है। कहा जा रहा है कि वह केवल अफवाह थी। जिस अफवाह को लेकर हिंसा का तांडव हुआ, उस अफवाह को फैलाया किसने? वह अकेला तो हो नहीं सकता। अफवाह फैलाने के बाद उस पर उग आई फसल को कैसे काटना है, इसके लिए पूरा नेटवर्क चाहिए।

यह काम नेटवर्क के बिना नहीं हो सकता। अफवाह फैलाने और उसके फैलने से बने स्पेस में तोडफोड़ के लिए छात्रों के रूप में जो लोग आए उनको पुलिस ने विश्वविद्यालय के अन्दर कैसे जाने दिया? ये सब ऐसे प्रश्न हैं जिनके उत्तर ढूंढने की बजाय उत्तर छिपाने की कोशिश हो रही है। जम्मू कश्मीर के एक लडके की उस दिन की एक पोस्ट सामने आ रही है, जिसमें सार रूप में वह कह रहा है सवाल इतना सरल नहीं है। असल मुद्दा ह्यसवाल पूछने के अधिकारह्ण का है। हमें सवाल पूछने नहीं दिए जा रहे। सवाल पूछने को प्रतिबन्धित किया जा रहा है। यह भाषा राहुल गान्धी की भी है। वह भी देश भर में यह कहते हुए घूम रहे हैं कि सवाल नहीं पूछने दिए जा रहे।

वही छात्र कहता है कि इसीलिए गुस्से में आकर मैंने तोडफोड़ की है। लेकिन यहां तो मसला और भी उलझा हुआ है। जिस घटना पर सवाल पूछने की बात कही जा रही है, उस काल्पनिक घटना की अफवाह भी एक षड्यंत्र के तहत फैलाई गई। जब पंजाब सरकार को लगा होगा कि यदि वैज्ञानिक ढंग से जांच शुरू हो गई तो बहुत से तार जो कारपेट के नीचे बिछाए गए होंगे, वे पकड़े जाएंगे, तो पुलिस ने भी एक एफ आईआर दर्ज की। ह्यएक अज्ञात लडकी का बलात्कार अज्ञात लोगों ने किया ह्ण इस अज्ञानी के पीछे छिपा सारा नेटवर्क, सारे तार तभी ज्ञात होंगे यदि जांच सीबीआई से करवाई जाती है। क्योंकि ऐसी आशंका जताई जा रही है कि आम आदमी पार्टी की रुचि अज्ञात को ज्ञात करने में नहीं है। पंजाब लंबे समय तक आतंकवाद का शिकार रहा है, उसी पंजाब में इस तरह की हिंसा अब बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। अगर वहां कोई गड़बड़ होती है, तो इसका प्रभाव पूरे देश पर पड़ता है। इसलिए पंजाब में शांति बनाए रखने के लिए हर कदम उठाना होगा, सरकार चाहे किसी की भी हो।

न्यूज ब्रीफ

ई रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार की मौत



ग्वालियर। *डबरा-ग्वालियर हाईवे-44 पर शुक्रवार दोपहर तेज रफ्तार ई-रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों के साथ गंभीर सड़क हादसा हो गया। समुदन गुरुद्वारे के पास हुए इस हादसे में बाइक पर पीछे बैठे वृद्ध अमरीत सिंह की मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहे उदयवीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कुछ समय के लिए घटनास्थल पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार उदयवीर सिंह बाइक पर अमरीत सिंह को बैठाकर डबरा-ग्वालियर हाईवे-44 से होकर जा रहे थे। इसी दौरान समुदन गुरुद्वारे के समीप सामने से अथवा सड़क पर तेज गति से आ रहे ई-रिक्शा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दोनों लोग सड़क पर जा गिरे। हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आईं।*

सेवा संकल्प अभियान में चला स्वच्छता अभियान



ग्वालियर। *सेवा-संकल्प अभियान के तहत गाँधी जयंती के अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी, अपर आयुक्त टी प्रतीक राव एवं जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों और नागरिकों ने विशेष स्वच्छता अभियान में वार्ड-3 विनय नगर के गौरीशंकर स्कूल के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया। कलेक्टर के साथ ही नगर निगम आयुक्त, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने सफाई कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। स्वच्छता अभियान में पार्षदगण श्रीमती आशा सुरेन्द्र चौहान, श्री सोनू राजपूत, श्रीमती सुनीता अरुण कुशवाह, ब्रम्हकुमारी संस्था की दीदियों, स्कूल के शिक्षकों और नागरिकों ने बढ़चढ़कर भागीदारी की। वार्ड क्रमांक 3 स्थित विनय नगर स्थित गौरीशंकर स्कूल क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान, नगर निगम*

नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जन-जागरूकता जरूरी



ग्वालियर। *राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर नशामुक्त भारत अभियान एवं मुख्यमंत्री जन विश्वास सेवा संकल्प के अंतर्गत रतन शिक्षा समिति एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा मद्य निषेध सप्ताह के तहत ग्वालियर में जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने सहभागिता करते हुए रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा स्वयं भी रैली में शामिल होकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, सकारात्मक सोच और रचनात्मक गतिविधियों की ओर आगे बढ़ना चाहिए। समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास करें तथा युवाओं को स्वस्थ, सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की दिशा में प्रेरित करें। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जनभागीदारी के माध्यम से नशामुक्त भारत के संकल्प को साकार करना रहा।*

सीनियर वर्ग में आयुषी सेन और जूनियर वर्ग में आराध्य भदौरिया प्रथम

बच्चों ने रंगों के जरिए दिया स्वच्छता का संदेश, चित्रकला प्रतियोगिता में करीब 300 ने लिया भाग

एक सत बुलेटिन, गुना



स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के अंतर्गत महात्मा गांधी की जयंती पर आयोजित स्वच्छ भारत दिवस पर नगर निगम द्वारा अंबेडकर पार्क में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में करीब 300 बच्चों ने भाग लिया और अपनी पेंटिंग के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छ शहर की परिकल्पना को रंगों में उकेरा। बच्चों ने अपनी कलाकृतियों के जरिए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने, कचरे का सही निस्तारण करने और अपने आसपास के वातावरण को साफ रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर मध्य भारत खादी संघ की ओर से स्टॉल भी लगाया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, स्मार्ट सिटी सीईओ एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव तथा उपायुक्त श्री मुकेश बंसल उपस्थित रहे। चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में विजुअल आर्टिस्ट श्री हितेंद्र शाक्य और फाइन आर्ट कॉलेज से जुड़े श्री इशांत शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक खेल अधिकारी सुश्री विजेता सिंह चौहान ने किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने बच्चों और उपस्थित लोगों को स्वच्छता का महत्व बताते हुए कहा कि स्वच्छता हम सभी के जीवन का अभिन्न अंग है। स्वच्छ वातावरण में रहने से मनुष्य का तन, मन और बुद्धि स्वस्थ रहते हैं। इसलिए स्वच्छता को अपने जीवन में विशेष स्थान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर से करनी चाहिए और इसे अपनी दैनिक आदतों में शामिल करना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे घरों से निकलने वाले गीले कचरे, सूखे कचरे और सैनिटरी वेस्ट को अलग-अलग रखें तथा नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहन में ही दें। इससे कचरे का उचित प्रबंधन करने और शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कचरे को सड़कों, खाली प्लॉटों और सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने से गंदगी फैलती है। प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह स्वयं कचरा इधर-उधर न फेंके और दूसरों को भी ऐसा करने से रोके। इसके साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर बनाने के लिए केवल नगर निगम के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसमें नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। जब प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझेगा, तभी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकेगा। प्रतियोगिता को बच्चों की आयु और कक्षा के अनुसार दो वर्गों में विभाजित किया गया था। कक्षा पांचवीं, छठवीं और सातवीं के विद्यार्थियों को जूनियर वर्ग में रखा गया, जबकि कक्षा आठवीं, नौवीं और दसवीं के विद्यार्थियों ने सीनियर वर्ग में भाग लिया। दोनों वर्गों में बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और कला का प्रदर्शन करते हुए स्वच्छता से जुड़े विभिन्न विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों की कल्पनाशीलता के साथ स्वच्छता के प्रति उनकी समझ भी देखने को मिली। चित्रकला प्रतियोगिता के परिणामों में सीनियर वर्ग में आयुषी सेन ने प्रथम, महेश माहौर ने द्वितीय और वंशिका कुशवाह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, जूनियर वर्ग में त्रिपा बंसल प्रथम, महेश माहौर द्वितीय और इशिका कुशवाह तृतीय स्थान पर रहे। विजेता विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट कलाकृतियों के लिए सम्मानित किया गया निर्णायकों ने बच्चों की कलाकृतियों का मूल्यांकन किया जन अभियान परिषद के धर्मेंद्र, हरिओम चतुर्वेदी तथा भाजपा जिला के स्वच्छता अभियान प्रभारी उदय यादव भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। रोटरी क्लब ऑफ ग्वालियर की अध्यक्ष श्रीमती प्रियंवदा भसीन और सचिव श्री उदित ने भी सहभागिता की।

ग्वालियर में ड्राई-डे पर रिटायर्ड फौजी ने बेची शराब:बोतल पर नोट फॉर सेल का लेवल

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर में ड्राई डे पर आबकारी विभाग ने अवैध शराब बेचने वाले रिटायर्ड फौजी निरंजन सिंह तोमर को पकड़ा है। गोला का मंदिर इलाके के प्रगति विहार में उसके मकान पर छापा मारकर टीम ने आर्मी कैंटीन की करीब 26 लीटर ब्रांडेड अंग्रेजी शराब जब्त की। छापे में 35 बोतलें अंग्रेजी शराब और बीयर मिलीं। बोतलों पर लगे बार कोड से पता चला कि यह आर्मी कैंटीन की शराब है, जिसे बाजार में बेचना मना है। इनमें 100 पाइपर, ब्लैक डॉग, टीचर्स, सिग्नेचर जैसे ब्रांड हैं।

कम दाम पर बेचकर कमा रहा था मुनाफा

रिटायर्ड फौजी निरंजन सिंह तोमर ने बताया, वह कैंटीन से मिली शराब कम दाम पर बेचकर मुनाफा कमा रहा था। दबिश प्रभारी शिवा रघुवंशी के मुताबिक, आरोपी दूसरे सैनिकों के कार्ड से शराब जमा करता था। छापे में कोई कार्ड नहीं मिला, जिससे नेटवर्क बड़ा होने की आशंका है। आरोपी से पूछताछ जारी है।

अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ में कई बड़े नाम सामने आ सकते हैं। ड्राई डे पर की गई इस कार्रवाई को आबकारी विभाग की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

दबिश प्रभारी शिवा रघुवंशी ने बताया कि उन्हें कुछ दिन से सूचना मिल रही थी। जिस पर कार्रवाई करते विभाग द्वारा पहले डमी को भेजकर सूचना को पुख्ता किया गया। इसके बाद रिटायर्ड फौजी के मकान पर दबिश देते हुए यह शराब बरामद की गई है।

आबकारी विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई, 13 प्रकरण दर्ज कर अवैध शराब व वाहन किया जब्त

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



शुष्क दिवस के अवसर पर ग्वालियर जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के आदेशानुसार, आबकारी उपायुक्त संदीप शर्मा के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में हजीरा, तानसेन नगर, गोले का मंदिर, नारायण बिहार कॉलोनी, बेला की बाबड़ी एवं डबरा क्षेत्र में दबिश दी गई।

कार्रवाई के दौरान विभिन्न स्थानों से देसी एवं अंग्रेजी मदिरा, बीयर सहित कुल 13 प्रकरण दर्ज किए गए। हजीरा क्षेत्र से 12 बल्क लीटर देसी एवं 11 बल्क लीटर अंग्रेजी मदिरा तथा प्रगति विहार कॉलोनी से 25 बल्क लीटर अंग्रेजी मदिरा जब्त की गई। इसके अलावा मामा के बाजार, स्टेशन रोड, बेला की बाबड़ी एवं डबरा क्षेत्र से बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जब्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 13 अपराध पंजीबद्ध किए गए। जब्त अवैध मदिरा एवं वाहन की अनुमानित कीमत लगभग 2.25 लाख रुपए है।

गांधी-शास्त्री जयंती पर कांग्रेस ने किया महापुरुषों को नमन, प्रतिमा से गांधी उद्यान तक निकली प्रभातफेरी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 157वीं एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की 122वीं जयंती के अवसर पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ग्वालियर द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर दोनों महान विभूतियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इसके साथ ही कांग्रेस भवन शिंदे की छावनी के नीचे स्थापित कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के.कामराज की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रतिमा श्रृद्धांजली अर्पित की गई। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन पड़ाव स्थित पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा स्थल पहुंचे, जहां उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात कांग्रेसजनों ने प्रभात फेरी निकाली, जो वीरांगना लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पहुंची। यहां माल्यार्पण करने के बाद प्रभातफेरी फूलबाग स्थित गांधी उद्यान पहुंची, जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर गांधी जयंती के अवसर पर शहर के विभिन्न ब्लॉकों में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

कांग्रेसजनों ने स्वच्छता का संदेश देते हुए सफाई कार्य किया तथा शहर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई संरक्षकों का सम्मान एवं स्वागत किया।

अस्थाई अतिक्रमण पर निगम की सख्ती, यातायात बाधित कर रहे ठेले हटाए गए

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए मदाखलत विभाग द्वारा 2 अक्टूबर को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान यातायात में बाधक हाथ ठेलों, फुटपाथों पर लगाए गए फड़ों एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण को हटवाकर मार्गों को आवागमन के लिए सुचारू कराया गया।

नगर निगम के नोडल अधिकारी (मदाखलत) केशव सिंह चौहान के निर्देशन में मदाखलत अधिकारी शैलेंद्र सिंह चौहान द्वारा विभिन्न हॉकर्स जोन का निरीक्षण भी किया गया तथा स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित रूप से निर्धारित हॉकर्स जोन में शिफ्ट करने के लिए व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

पूर्व विधानसभा क्षेत्र में मुरार बारादरी चौराहा से सदर बाजार, अग्रसेन चौक, गणेश मंदिर, गर्ल्स कॉलेज तक मुख्य मार्ग से यातायात में बाधक अतिक्रमण हटवाकर आवागमन सुचारू कराया गया। इसके साथ ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बिना अनुमति लगाए गए पोस्टर बैनर एवं कटआउट हटाए गए। मदाखलत विभाग की टीम द्वारा रामदास घाटी, पागलखाना तिराहा, शब्द प्रताप आश्रम रोड सहित आसपास के क्षेत्रों में यातायात में बाधक हाथ ठेलों एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया। संबंधित लोगों को दोबारा अतिक्रमण नहीं करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने की सख्त हिदायत दी गई। कार्रवाई के दौरान मदाखलत निरीक्षक श्री श्रीकान्त सेन सहित दल मौजूद रहा।

बच्चों ने रंगों के जरिए दिया स्वच्छता का संदेश, चित्रकला प्रतियोगिता में करीब 300 ने लिया भाग

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के अंतर्गत महात्मा गांधी की जयंती पर आयोजित स्वच्छ भारत दिवस पर नगर निगम द्वारा अंबेडकर पार्क में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में करीब 300 बच्चों ने भाग लिया और अपनी पेंटिंग के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छ शहर की परिकल्पना को रंगों में बच्चों ने अपनी कलाकृतियों के जरिए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने, कचरे का सही निस्तारण करने और अपने आसपास के वातावरण को साफ रखने का संदेश दिया।चित्रकला प्रतियोगिता में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, स्मार्ट सिटी सीईओ एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव तथा उपायुक्त श्री मुकेश बंसल उपस्थित रहे। चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में विजुअल आर्टिस्ट श्री हितेंद्र शाक्य और फाइन आर्ट कॉलेज से जुड़े श्री इशांत शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक खेल अधिकारी सुश्री विजेता सिंह चौहान ने किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने बच्चों और उपस्थित लोगों को स्वच्छता का महत्व बताते हुए कहा कि स्वच्छता हम सभी के जीवन का अभिन्न अंग है। इसलिए स्वच्छता को अपने जीवन में विशेष स्थान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर से करनी चाहिए और इसे अपनी दैनिक आदतों में शामिल करना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे घरों से निकलने वाले गीले कचरे, सूखे कचरे और सैनिटरी वेस्ट को अलग-अलग रखें तथा नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहन में ही दें।

बच्चों का भविष्य सुरक्षित, समृद्ध एवं उज्ज्वल बने

सेवा-संकल्प अभियान 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री कुशवाह

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित 'सेवा-संकल्प अभियान' के अंतर्गत शुक्रवार को ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में जिला स्तरीय 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लक्ष्मीगंज चौराहा स्थित पुराना जीवाजी गंज स्टेशन के समीप आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र, सेक्टर क्रमांक-2 में आयोजित इस कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने सहभागिता कर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और हितग्राही शामिल हुए। आयोजन का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मातृशक्ति से जुड़ी सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ शासन की योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम के दौरान मंत्री कुशवाह ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को आश्वासन प्रमाण-पत्र वितरित किए।

प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले हितग्राहियों ने शासन की योजना के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की। मंत्री ने कहा कि बालिकाओं के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना आवश्यक है। बालिकाओं की शिक्षा, पोषण और उनके सर्वांगीण विकास के लिए परिवार और समाज दोनों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बालिकाओं और महिलाओं के हित में संचालित योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। समारोह में बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। मंत्री कुशवाह ने कार्यकर्ताओं की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।



उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों को पोषण और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ माताओं और परिवारों को भी आवश्यक जानकारी दी जाती है। ऐसे में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का दायित्व केवल केंद्र तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज के सबसे महत्वपूर्ण वर्ग यानी बच्चों और माताओं के साथ निरंतर संपर्क में रहती हैं।

स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं आंगनवाड़ी केंद्र

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री कुशवाह ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र केवल बच्चों के पोषण और प्रारंभिक शिक्षा के केंद्र नहीं हैं, बल्कि मातृशक्ति और बाल कल्याण के माध्यम से सशक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं।

उन्होंने कहा कि जीवन के शुरुआती वर्षों में बच्चों को



रचा इतिहास

नेत्रा ने महिलाओं की डिंगी सेलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता

गामागोरी । भारत की सेलर नेत्रा कुमानन ने महिलाओं की डिंगी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। काइयोह यॉट हार्बर में दो रेस की फाइनल सीरीज के बाद नेत्रा ने 14 पॉइंट्स के साथ फिनिश किया। थाईलैंड की सोफिया मोटगोमरी ने पांच पॉइंट्स के साथ गोल्ड जीता, जबकि सिंगापुर की जानिया एंग ने 13 पॉइंट्स के साथ सिल्वर जीता। एशियन गेम्स 2026 में भारत का सेलिंग में यह तीसरा मेडल है। इससे पहले पुरुषों की स्किफ में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरियाकोस नोवल ने सिल्वर और महिलाओं की स्किफ में हर्षिता तोमर और शीतल वर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। नेत्रा ने सप्ताह की शुरुआत में हुई क्वालीफिकेशन सीरीज से सात रीकैलकुलेटेड पॉइंट्स के साथ फाइनल में एंट्री की।

फाइनल 1 में नेत्रा छठे स्थान पर रहीं, लेकिन फाइनल 2 जीतकर (एक पॉइंट जोड़कर) जवाब दिया, जिससे वह ओवरऑल तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। नेत्रा 14 नेट पॉइंट्स (क्वालीफिकेशन सीरीज और फाइनल से सात-सात पॉइंट्स) के साथ हांगकांग की स्टेफनी नॉटन के बराबर रहीं, लेकिन पूरी सीरीज में बेहतर हेड-टू-हेड रिकॉर्ड रखने के बाद टाई-ब्रेक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। नेत्रा ने 2021 में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला सेलर बनकर इतिहास रचा था।



भारत के पुरुष क्वाड्रंट ने सेपकटकराव में ब्रॉन्ज मेडल जीता

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में नागोया सिटी मिजुतो पार्क जिम्नेजियम में शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में जापान से 0-2 से हारकर भारतीय पुरुष क्वाड्रंट टीम को सेपकटकराव में ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। मालेमंगनबा सिंह सोरोखाइबाम, राम कुमार शर्मा, बाँची कुमार और आकाश युमनाम (लोखोन सिंह एलांगबाम और टेकोंग अरुण सब्स) की भारतीय क्वाड्रंट सेमीफाइनल में एकतो साताे, रयोटा हरुहारा, चनाकु नारवा और योटा इचिकावा (सेया ताकानो और तोशिताका नाइतो सब्स) की जापानी क्वाड्रंट से 12-15, 13-15 के करीबी अंतर से हार गई। एशियाड में यह भारत का सेपक टकरॉ में सिर्फ तीसरा मेडल है। भारत ने 2018 जकार्ता गेम्स में पुरुषों की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और उसके बाद 2023 हांगझोऊ गेम्स में महिलाओं की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारतीय पुरुषों की टीम ने तीनों मैच जीतकर ग्रुप ए में टॉप पर जगह बनाई। उसने लीग स्टेज में वर्ल्ड कप विनर म्यांमार को भी चौंका दिया था और वियतनाम और लाओस को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इस बीच, भारतीय महिलाओं की टीम ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई। वह अपने तीन मैचों में कोई जीत हासिल किए बिना ग्रुप ए में चौथे स्थान पर रही। महिलाओं के डबल्स में भारत अपने ग्रुप बी में चौथे स्थान पर रहा और खेले गए तीनों गेमों में से एक भी गेम नहीं जीत पाया।

भारतीय पुरुषों की रेगु टीम भी नॉकआउट में जगह बनाने में नाकाम रही और एक जीत और दो हार के साथ ग्रुप बी में तीसरे स्थान पर रही।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स

रिकर्व मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत को सिल्वर, ओलंपिक कोटा से चूकी भारतीय टीम

ओकाजाकी । धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम मोहोद की मिक्स्ड रिकर्व आर्चरी टीम को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में चीन के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में हार के कारण सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। चीन ने गोल्ड मेडल जीतने के साथ ही लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया, जबकि दूसरे स्थान पर रही भारतीय टीम ओलंपिक कोटा पाने से चूक गई। रिकर्व तीरंदाजी में यह भारत का दूसरा मेडल है। महिला टीम ने शुक्रवार सुबह एशियन गेम्स में अपना पहला गोल्ड मेडल जीता। महिला टीम ने फाइनल में 10 बार की वर्ल्ड चैंपियन टीम दक्षिण कोरिया को हराया। मिक्स्ड टीम फाइनल में, भारत ने 9 और 8 के स्कोर से शुरुआत की, जबकि चीन ने 10 और 8 के स्कोर से जवाब दिया।



पुरुष रिकर्व टीम इवेंट में भारत को सिल्वर मेडल, फाइनल में दक्षिण कोरिया से मिली हार

ओकाजाकी । भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम को शुक्रवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में फाइनल में नौ बार की चैंपियन दक्षिण कोरियाई टीम ने हरा दिया। हार के कारण भारतीय टीम को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम में शामिल नीरज चौहान, यशदीप भोगे और धीरज बोम्मादेवरा की तिकड़ी को दक्षिण कोरिया की किम जे देओक, किम वूजिन और ली वूसोक की तिकड़ी ने 1-5 से हराया। पुरुषों के रिकर्व टीम इवेंट में यह भारत का लगातार दूसरा एशियन गेम्स सिल्वर मेडल है। भारतीय टीम को हांगझोऊ 2023 के फाइनल में भी दक्षिण कोरिया से हार का सामना करना पड़ा था। ओलंपियन बोम्मादेवरा उस सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे।



गीत के लिए खास है 3 अक्टूबर

1992 में जीता था विश्व पेशेवर बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब

नई दिल्ली । गीत सेठी का नाम भारत के प्रसिद्ध बिलियर्ड्स और स्नूकर खिलाड़ियों में शुमार है। 1990 के दशक में सेठी ने इस खेल में अपना दबदबा बनाया था। गीत सेठी का जन्म 17 अप्रैल, 1961 को दिल्ली में हुआ था। उनका पूरा नाम गीत श्रीराम सेठी है। अहमदाबाद में पले-बढ़े सेठी ने 13 साल की उम्र में बिलियर्ड्स खेलना शुरू किया था। गुजरात स्पोर्ट्स क्लब में उनकी मुलाकात उस समय के एक बहुत ही सफल बिलियर्ड्स खिलाड़ी सतीश मेनन से हुई और उन्होंने उनसे महत्वपूर्ण टिप्स और मार्गदर्शन लिया। उन्होंने पहली बार 1982 में इंडियन नेशनल बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में माइकल फरेरा को हराकर इंटरनेशनल लेवल पर अपनी पहचान बनाई।

वनडे विश्वकप 2027 के ग्रुप घोषित, दो अक्तूबर से शुरू होगा टूर्नामेंट, एक ही ग्रुप में भारत पाकिस्तान

बदले स्वरूप हो होगा विश्वकप 2027

भारत-पाक एक ही ग्रुप में

विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और क्वालिफायर-ए की टीम होगी।

ग्रुप ए

- अफगानिस्तान
- ऑस्ट्रेलिया
- भारत
- पाकिस्तान
- जिम्बाब्वे
- क्वालिफायर-ए

ग्रुप बी

- बांग्लादेश
- इंग्लैंड
- दक्षिण अफ्रीका
- श्रीलंका
- न्यूजीलैंड
- क्वालिफायर-बी

क्वालिफायर-ए और क्वालिफायर-बी की टीमों के नाम बाद में तय होंगे। 2027 विश्व कप के लिए 10 टीमें सीधे अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं, जबकि बाकी स्थान क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से तय होंगे।



केपटाउन / नई दिल्ली। आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाला 50 ओवर का यह विश्व कप दो अक्तूबर से 21 नवंबर 2027 तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी और तीन देशों के 12 वेन्यू पर 57 मुकाबले खेले जाएंगे। विश्व कप की शुरुआत नामीबिया की राजधानी विंडहोक में सुपर सीरीज के मुकाबलों से होगी, जबकि खिताबी मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा। 2027 विश्व कप की सबसे बड़ी खासियत इसका बदला हुआ प्रारूप है। 2023 में 10 टीमों ने एक ही लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबले खेले थे, लेकिन इस बार 14 टीमों के टूर्नामेंट को सेमीफाइनल और फाइनल से पहले तीन चरणों में बांटा गया है। इनमें सुपर सीरीज, ग्रुप चरण और सुपर-7 शामिल हैं। इस बदलाव के चलते खिताब जीतने वाली टीम को फाइनल तक पहुंचने के लिए अलग-अलग चरणों में कई मुकाबलों से गुजरना होगा।

दो अक्तूबर से सुपर सीरीज का आगाज

विश्व कप का पहला चरण सुपर सीरीज होगा। इसमें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के आधार पर सबसे निचली रैंकिंग वाली तीन टीमें हिस्सा लेंगी। तीनों टीमें राउंड-रॉबिन आधार पर एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। इस चरण में शीर्ष पर रहने वाली टीम ही मुख्य ग्रुप चरण में पहुंचेगी, जबकि बाकी दो टीमों का विश्व कप अभियान समाप्त हो जाएगा। सुपर सीरीज की शुरुआत 2 अक्टूबर 2027 को विंडहोक से होगी।

ग्रुप चरण में 30 मुकाबले

सुपर सीरीज के बाद 12 टीमें मुख्य ग्रुप चरण में उतरेंगी। इन्हें दो ग्रुप में बांटा जाएगा और प्रत्येक ग्रुप में छह-छह टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी पांच टीमों के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलेगी। इस चरण में कुल 30 मैच होंगे। दोनों ग्रुप से शीर्ष तीन-तीन टीमें सुपर-7 में पहुंचेंगी। इसके अलावा दोनों ग्रुप में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम को भी सुपर-7 में जगह मिलेगी। इस तरह कुल सात टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी।

2027 विश्व कप में 14 टीमें, 12 वेन्यू और 57 मैच

वनडे विश्व कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौट रहा है। दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे इससे पहले 2003 विश्व कप की मेजबानी कर चुके हैं, जबकि नामीबिया पहली बार पुरुषों के सीनियर वनडे विश्व कप के लिए मेजबान देश के रूप में सामने होगा। टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में कुल 12 वेन्यू तय किए गए हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के आठ, जिम्बाब्वे के तीन और नामीबिया की राजधानी विंडहोक का एक वेन्यू शामिल है।

2023 और 2027 में क्या बदला?

- 2023 विश्व कप 10 टीमें शामिल थीं।
- सभी 10 टीमों ने एक ही लीग चरण में मुकाबले खेले।
- प्रत्येक टीम ने नौ लीग मैच खेले।
- अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं।
- कुल 48 मैच खेले गए।
- 2027 विश्व कप टीमों की संख्या बढ़ाकर 14 कर दी गई है।
- शुरुआत तीन टीमों की सुपर सीरीज से होगी।
- सुपर सीरीज की विजेता मुख्य ग्रुप चरण में पहुंचेगी।
- 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा।
- ग्रुप चरण में 30 मुकाबले होंगे।
- दोनों ग्रुप से शीर्ष तीन-तीन टीमों के अलावा एक और टीम सुपर-7 में पहुंचेगी।
- सुपर-7 में सात टीमें 21 मुकाबले खेलेंगी।
- सुपर-7 की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी।
- कुल 57 मैच खेले जाएंगे।



सुपर-7 में होगा बड़ा मुकाबला

2027 विश्व कप के प्रारूप में सबसे बड़ा बदलाव सुपर-7 चरण है। इसमें सातों टीमें राउंड-रॉबिन आधार पर एक-दूसरे से भिड़ेंगी। इस चरण में कुल 21 मैच खेले जाएंगे। सुपर-7 की अंक तालिका में शीर्ष चार स्थान पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। पहले स्थान वाली टीम चौथे स्थान वाली टीम से भिड़ेगी, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम तीसरे स्थान वाली टीम के खिलाफ खेलेगी। दोनों सेमीफाइनल के विजेता फाइनल में खिताब के लिए आमने-सामने होंगे।

2023 विश्व कप में कैसा था प्रारूप?

भारत में खेले गए 2023 वनडे विश्व कप में कुल 10 टीमें शामिल थीं। सभी टीमों ने लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेला था। इस तरह प्रत्येक टीम ने नौ लीग मैच खेले और अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सीधे सेमीफाइनल में पहुंची थीं। इसके बाद दो सेमीफाइनल और फाइनल के साथ टूर्नामेंट समाप्त हुआ था। यानी 2023 में नॉकआउट से पहले सिर्फ एक लीग चरण था। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को हराकर 2023 विश्व कप का खिताब जीता था।

रोहित-कोहली के लिए अहम होगा मौका

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए 2027 वनडे विश्व कप अंतरराष्ट्रीय करियर को एक और विश्व कप खिताब के साथ यादगार बनाने का आखिरी मौका हो सकता है। रोहित शर्मा ने 2024 टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत को याद करते हुए



कहा था कि वह 50 ओवर के प्रारूप में भी उस अहसास को दोबारा महसूस करना चाहते हैं। रोहित ने कहा था कि भारत के लिए विश्व कप जीतना बेहद खास अहसास है। उन्होंने बताया कि उन्होंने टी20 प्रारूप में दो बार विश्व कप जीतने का अनुभव किया है। 2007 में वह महज 20 साल के युवा खिलाड़ी थे, जबकि 2024 में भारत ने लंबे अंतराल के बाद आईसीसी खिताब जीता। वहीं, विराट कोहली ने कहा कि 2027 विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा और यही उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। कोहली ने कहा था कि वह मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देना चाहते हैं। उनका लक्ष्य विश्व कप जीतना है और इसके लिए वह हर संभव प्रयास करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच जीतना है।

10 अक्टूबर 2027

भारत-पाकिस्तान के बीच होगा मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला 10 अक्टूबर 2027 को खेला जाएगा। विश्व कप के कार्यक्रम के सामने आने से पहले ही इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में खास उत्सुकता थी। दोनों टीमें ग्रुप ए में हैं और नए प्रारूप के तहत ग्रुप चरण में दोनों का आमना-सामना होना तय है। भारत-पाकिस्तान की विश्व कप प्रतिद्वंद्विता का रिकॉर्ड भी भारतीय टीम के पक्ष में रहा है। दोनों के बीच वनडे विश्व कप में अब तक आठ मुकाबले खेले गए हैं और भारत ने सभी आठ मैच जीते हैं। 2023 विश्व कप में अहमदाबाद में हुई पिछली भिड़ंत में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया था। आईसीसी के मुताबिक, वह विश्व कप में दोनों टीमों की आठवीं भिड़ंत थी और भारत ने सभी आठ मैच अपने नाम किए थे।



जापान मेरे लिए लकी है: लवलीना

मुझे जन्मदिन पर खुद को गिफ्ट देना था

निशियो । लवलीना बोरगोहेन ने शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में 75 किग्रा फाइनल में चीन की जियाई खाओ को हराकर गोल्ड मेडल जीता। यह गोल्ड मेडल बोरगोहेन के लिए यादगार है, क्योंकि यह उनके 29वें जन्मदिन पर आया है। लवलीना एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाली मैरी कॉम के बाद गोल्ड जीतने वाली दूसरी महिला बॉक्सर बन गई हैं। लवलीना ने चीन की मुक्केबाज को 5-0 के सर्वसम्मत स्कोर से हराया। गोल्ड मेडल जीतने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। मैंने सोचा था कि मुझे अपने जन्मदिन पर खुद को गोल्ड मेडल गिफ्ट करना चाहिए। हार के बारे में एक सेकंड के लिए भी नहीं सोचा। यह बहुत मुश्किल फाइट थी। लेकिन मैं हमेशा सोच रही थी कि मुझे जीतना है।'

उन्होंने कहा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद ऐसा नहीं था। मैं सिल्वर मेडल जीतकर बहुत खुश थी। एक एथलीट की जिंदगी में बहुत सी चीजें होती हैं-हार और चोटें, जिन्हें हमें संभालना होता है और आगे बढ़ना होता है। यह गोल्ड मेडल मेरे लिए बहुत जरूरी था।' लवलीना ने 3-2 से करीबी शुरुआती राउंड जीतने के बाद बाउट में दबदबा बनाया। उन्होंने अगले दो राउंड 4-1 के समान अंतर से जीते और हांगझोऊ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने के बाद अपना दूसरा एशियन गेम्स मेडल जीता। पहले दो राउंड में आगे रहने के बाद 2026 एशियाड फाइनल में वह आखिरी राउंड में सावधान थीं। उन्होंने कहा, 'आखिरी राउंड बहुत मुश्किल था। विरोधी बहुत मजबूत थी। मैं उसके साथ पहली बार खेल रही थी। इसलिए मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि वह कैसे खेलेगी। मैं खुद को मोटिवेट कर रही थी कि मुझे जीतना है। मैं हारना नहीं चाहती, चाहे कुछ भी हो जाए। आखिरी राउंड भी ऐसा ही था। मैंने पहले दो राउंड जीते और मैं सोच रही थी कि मुझे तीसरा राउंड भी जीतना है।' लवलीना ने कहा, 'मैं एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने आई थी। मैंने खुद को मोटिवेट किया कि मुझे मजबूत रहना है और जीतना है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा घोषित 51 लाख रुपए की सम्मान राशि का चेक संजू देवी को सौंपा

उप मुख्यमंत्री साव ने बहतराई खेल अकादमी के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों का किया सम्मान, बढ़ाया हौसला

एक सत बुलेटिन, रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार लगातार अभिनव पहल कर रही है। इसी कड़ी में प्रदेश में 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक पुरुष हॉकी लीग का आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य होगा, जो इस तरह की हॉकी लीग का आयोजन करने जा रहा है। लीग की टैगलाइन 'चलव रे संगी हॉकी खेलबो' रखी गई है। इसमें छह टीमें हिस्सा लेंगी, जिनका नामकरण छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पहचान के अनुरूप किया गया है। श्री साव ने बिलासपुर के बहतराई स्थित खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर छत्तीसगढ़ और देश का गौरव बढ़ाने वाली खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में ये बातें कहीं। उन्होंने एशियन गेम्स-2026 में कबड्डी की स्वर्ण पदक विजेता सुश्री संजू देवी तथा जूनियर हॉकी एशिया कप-2026 की स्वर्ण पदक विजेता सुश्री मधु सिदार और सुश्री गीता यादव को सम्मानित किया। समारोह की





अध्यक्षता बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने की। समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा सुश्री संजू देवी के लिए पूर्व में घोषित 51 लाख रुपए की सम्मान राशि का चेक प्रदान किया गया। वहीं मधु सिदार और गीता यादव को 11 लाख 12 हजार रुपए प्रत्येक को विशेष सहायता पैकेज देने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में दोनों को इसमें से तत्काल 2-2 लाख रुपए की एकमुश्त सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए। श्री साव ने तीनों खिलाड़ियों को शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों में परिवार के योगदान का सम्मान करते हुए उप मुख्यमंत्री ने तीनों खिलाड़ियों के परिजनों को भी शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र के प्रशासनिक भवन में नवनिर्मित ऑडियो-वीडियो कॉन्फ्रेंस रूम का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि यह बिलासपुर और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए उत्साह, उल्लास और गौरव का दिन है। इन खिलाड़ियों ने इसी सेंटर में खेलना सीखा, अपनी प्रतिभा को निखारा और कठिन परिश्रम के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। चीन और जापान में स्वर्ण पदक जीतना सहज उपलब्धि नहीं है। इसके पीछे खिलाड़ियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प है। श्री साव ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति को योग्य, सक्षम और अच्छा नागरिक बनाने का सशक्त माध्यम है। खेल के मैदान से अच्छा स्वास्थ्य, आत्मविश्वास, धैर्य, अनुशासन और कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने का जज्बा मिलता है। खिलाड़ी कठिन समय में निराश होने के बजाय संघर्ष करना और फिर आगे बढ़ना सीखता है। खेल प्रतिभा के बल पर आज खिलाड़ियों को मान-सम्मान के साथ बेहतर भविष्य के अवसर भी मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों के बेहतर भविष्य और खेल अधोसंरचना के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, खेल अलंकरण, स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव तथा बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजनों से प्रदेश में खेलों के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार किया गया है। राज्य सरकार ने बजट में मुख्यमंत्री उत्कर्ष योजना के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इससे प्रशिक्षकों सहित खेलों के लिए आवश्यक अधोसंरचना एवं अन्य सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा। श्री साव ने खिलाड़ियों से अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि खिलाड़ी की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धा स्वयं से होती है। हर दिन स्वयं को बेहतर बनाने का प्रयास करें। किसी प्रतियोगिता में चयन नहीं होने पर निराश न हों, बल्कि और अधिक मेहनत के साथ आगे बढ़ें। आज इन तीन खिलाड़ियों को यह अवसर और सम्मान मिला है, आने वाले समय में यहां प्रशिक्षण ले रहे अन्य खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर मिलेंगे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने बहतराई जिला खेल परिसर में खेल सुविधाओं के विस्तार की जानकारी दी। हाई मास्ट लाइट सहित अन्य सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

जिला क्षय केन्द्र पर चलाया गया सफाई अभियान, सफाई मित्रों का किया गया सम्मान



एक सत बुलेटिन, भिण्ड

आज दिनांक 02 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर जिला क्षय केन्द्र भिण्ड मे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय वेटरन संगठन एवं श्रीमती भगवंती बाई शिक्षा प्रसार समिति भिण्ड के सहयोग से सफाई अभियान चलाया गया। साथ ही सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जे.एस यादव के मार्गदर्शन एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ. डी.के. शर्मा के निर्देशन में किया गया। अभियान में जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ ज्योति परिहार की सहभागिता मुख्य रूप से रही। कार्यक्रम का शुभारंभ गांधी प्रतिमा पर माल्यपर्ण कर किया गया तदुपरांत भारतीय वेटरन संगठन के सहयोग से जिला क्षय केन्द्र पर फूलदार पौधों का पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर जिला क्षय अधिकारी डॉ डी.के. शर्मा ने बताया कि सरकार के द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न जनहितैषी कार्यक्रमों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिये किये जा रहे विभिन्न प्रयासों से आज श्रीमती भगवंती बाई शिक्षा प्रसार समिति के सहयोग से गांधी जयंती के अवसर पर 51 टीबी मरीजों को फूड बास्केट प्रदान की जा रही है, जो कि बेहद सराहनीय कार्य है। भारतीय वेटरन संगठन के संभागीय अध्यक्ष श्री तोमर ने गांधी जयंती के अवसर पर किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की एवं बताया कि टीबी बीमारी का पूर्ण उपचार लेने पर टीबी बीमारी को पूर्णतः समाप्त किया जा सकता है, जिसके लिये विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। प्रत्येक टीबी मरीज की यह जिम्मेदारी है टीबी का पूर्ण इलाज ले एवं अन्य अपने आस-पास के लोगों को टीबी स्क्रीनिंग करवाने के लिये जागरूक करें। इस अवसर जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ ज्योति परिहार ने बताया कि आज कुष्ठ मुक्त भारत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का सपना था, जिसके लिये राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न शिविरों के आयोजन एवं जागरूकता कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता है। साथ ही कुष्ठ स्क्रीनिंग का कार्य एवं दवाईयां स्वास्थ्य संस्थाओं पर निःशुल्क उपलब्ध हैं।

वरिष्ठजनों हेतु जागरूकता शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

कोरबा। वरिष्ठजनों के कल्याण, स्वास्थ्य एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से 01 अक्टूबर को स्नेह सदन वृद्धा आश्रम में वरिष्ठजनों हेतु जागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा द्वारा समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से किया गया। शिविर में उपस्थित वरिष्ठजनों को उनके अधिकारों, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, वृद्धावस्था पेंशन, निःशुल्क विधिक सहायता तथा वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित प्रावधानों की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा वरिष्ठजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में उपस्थित वृद्धजनों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित आहार लेने एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी गई। समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई।

सेवा मेरा योगदान अभियान के तहत वनखण्डेश्वर मंदिर में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

स्वच्छता और हरियाली से ही बनेगा स्वस्थ गांव : राकेश शुक्ला

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत वनखण्डेश्वर मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने परिसर की साफ-सफाई कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इसके बाद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। उपस्थित लोगों ने श्रमदान करते हुए परिसर से कचरा हटाया और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने उपस्थित जनों को संबोधित कर कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। अपने घर, आसपास और गांव में स्वच्छता बनाए रखने के साथ ही अधिक से अधिक पौधे लगाना जरूरी है। पौधरोपण के बाद उनकी देखभाल भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार पर निर्भर रहने से गांव और समाज का विकास पूरी तरह संभव नहीं है। जब नागरिक स्वयं जिम्मेदारी निभाते हैं, तभी किसी अभियान का वास्तविक प्रभाव दिखाई देता है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने घरों, खेतों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित देखभाल करें। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि पेड़ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संपदा हैं। ये पर्यावरण को संतुलित रखने के साथ-साथ गर्मी कम करने, वर्षा चक्र बनाए रखने और स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में बने तालाब के किनारे विभिन्न प्रजातियों के 100 पौधे रोपे गए। उपस्थित लोगों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का संकल्प भी लिया। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तीन शासकीय विद्यालयों के लगभग 500 बच्चों को मिलेगा निःशुल्क पोषण सहयोग

एक सत बुलेटिन, रायपुर

प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए श्री सत्य साई अन्नपूर्णा ट्रस्ट के सहयोग से छत्तीसगढ़ में 'साईश्योर न्यूट्रिशन कार्यक्रम' के पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ गुरुवार को किया।

रायपुर जिले के तीन शासकीय विद्यालयों से शुरू किए गए इस कार्यक्रम के प्रथम चरण में लगभग 500 बच्चों को निःशुल्क पोषण सहयोग प्रदान किया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के तहत नवीन प्राथमिक शाला नवागांव, प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल परसदा तथा शासकीय विद्यालय छेरीखेड़ी के बच्चों को साईश्योर न्यूट्रिशन उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों को नियमित पौष्टिक आहार सहयोग देकर उनके स्वास्थ्य, एकाग्रता, सीखने की क्षमता और समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर श्री सत्य साई अन्नपूर्णा ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री आनंद कडली, शिक्षा विभाग के अधिकारी, विद्यालयों के शिक्षक, श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल की टीम सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने बच्चों को साईश्योर न्यूट्रिशन का वितरण कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की।

ट्रस्ट के अनुसार वर्तमान में देश के 25 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में एक करोड़ से अधिक स्कूली बच्चों तक प्रातःकालीन पोषण सेवा पहुंचाई जा रही है।शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि पोषित बच्चा ही बेहतर सीख सकता है। रायपुर जिले में लगभग 500 बच्चों के साथ शुरू किए गए इस पायलट कार्यक्रम के अनुभवों के आधार पर भविष्य में इसे राज्य के अन्य क्षेत्रों और अधिक शासकीय विद्यालयों तक विस्तारित किया जाएगा।

मोटोरोला ने अपने 'इट्स द टाइम टु मोटो' कैंपेन के तहत बिग बिलियन मोटो डील्स का ऐलान किया

बिलासपुर। मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनिया भर में मशहूर और भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला, फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज़ सेल 2026 के दौरान अपने सबिगबिलियनमोटोरश ऑफर के तहत बेहतरीन और स्टाइलिश स्मार्टफोन्स पर जबर्दस्त फेस्टिव डिस्काउंट लेकर आया है। मोटोरोला एज 70 फ्यूजन के साथ 30 हजार रुपये के अंदर फ्लैगशिप फीचर्स से लेकर मोटोरोला एज 70 प्रो के साथ 40 हजार रुपये के अंदर असली फ्लैगशिप किलर तक; मोटोरोला एज 70 प्रो+के साथ 45 हजार रुपये के अंदर चार 50MP कैमरों का जबर्दस्त अनुभव; मोटोरोला सिग्नेचर के साथ 60 हजार रुपये के अंदर सिग्नेचर-क्लास कैमरा; और मोटो जी37 पावर के साथ 20 हजार रुपये के अंदर 3 दिन की बैटरी लाइफ वाला फोन–मोटोराला इस त्यौहार के सीजन को बेहतरीन कीमतों और बड़े अपग्रेड के नाम करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मोटोरोला एज 70 फ्यूजन 30हजार रुपये के अंदर फ्लैगशिप फीचर्स लेकर आया है, जो कम बजट में प्रीमियम स्मार्टफोन चाहने वालों के लिए मोटोराला की सबसे बेहतरीन डील है। इस फोन में ओआईएस और अल्ट्रा पिक्सल वाले एआई-बेस्ड 50MP सोनी लिटिया710मेन कैमरे के साथ 1 अल्ट्रा-वाइड + मैक्रो कैमरा और 32MP सेल्फी कैमरा दिया गया है। पैंटोन वैलिडेटेड 100% टू कलर और स्किन टोन वाले इस फोन के सभी कैमरों से 4 वीडियो रिकॉर्डिंग की जा सकती है, जिससे रात में भी साफ तस्वीरें आती हैं।

दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत महात्मा गांधी जयंती पर स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अंतर-विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिताओं के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की

एक सत बुलेटिन, रायपुर

कृषि महाविद्यालय, रायपुर में दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वच्छता, श्रमदान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. आर. पी. कुजूर, शैक्षणिक प्रभारी, कृषि महाविद्यालय, रायपुर द्वारा महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर गांधी जी के विचारों एवं उनके जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संदेश दिया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी, छात्रा इकाई, कृषि महाविद्यालय, रायपुर, डॉ. पायल जायसवाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, विभिन्न गतिविधियों एवं स्वयंसेवकों की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने तथा समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात डॉ. आर. के. ठाकुर, खेल प्रभारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी, छात्र इकाई ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न खेल गतिविधियों एवं



प्रतियोगिताओं के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। डॉ. एस. के. नाग, विश्वविद्यालय सांस्कृतिक प्रभारी ने महाविद्यालय स्तर पर आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों एवं कार्यक्रमों तथा अंतर-विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिताओं के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अगले चरण में कृषि महाविद्यालय परिसर से विश्वविद्यालय की आवासीय कॉलोनी तक लगभग 250 विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। विद्यार्थियों ने 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' सहित विभिन्न स्वच्छता संबंधी नारों के माध्यम से स्वच्छता एवं जागरूकता का संदेश दिया। दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की श्रृंखला में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए टैलेंट हंट एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से संबंधित संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया। डॉ. प्रवीण वर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी, कृषि महाविद्यालय, रायपुर ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनकी प्रतिभाओं एवं सांस्कृतिक रुचियों की जानकारी ली तथा उन्हें महाविद्यालय की विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉक्टर गिरीश चंदेल, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर एवं डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रायपुर ने विद्यार्थियों को महात्मा गांधी जयंती की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को गांधी जी के स्वच्छता, अनुशासन, सत्य एवं सेवा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संज्ञान के बाद अशोकनगर जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं में त्वरित सुधार

मरीजों को सहज और सम्मानजनक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता: सिंधिया

■ एक सत बुलेटिन, **अशोकनगर।**





अशोकनगर जिला अस्पताल में सोनोग्राफी जांच को लेकर गर्भवती महिलाओं और मरीजों को आ रही परेशानियों पर केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा स्थानीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने त्वरित संज्ञान लेते हुए स्थानीय प्रशासन को व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। केन्द्रीय मंत्री के निर्देशों के बाद प्रशासन ने जिला अस्पताल में सोनोग्राफी सेवाओं और मरीजों की सुविधाओं को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। कलेक्टर ने स्वयं जिला अस्पताल पहुंचकर किया निरीक्षण केन्द्रीय मंत्री के निर्देश मिलते ही जिला कलेक्टर ने स्वयं जिला अस्पताल पहुंचकर सोनोग्राफी कक्ष एवं संबंधित परिसरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद मरीजों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद मरीजों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। सोनोग्राफी सेवाओं के लिए डॉक्टरों का दैनिक ड्यूटी चार्ट जारी सोनोग्राफी सेवाओं को सुचारू एवं नियमित बनाने के लिए चिकित्सकों का दैनिक ड्यूटी चार्ट जारी कर दिया गया है।

प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि ड्यूटी चार्ट का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित हो और मरीजों को जांच के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। गर्भवती महिलाओं के लिए बैठने सहित अन्य सुविधाएं सुनिश्चित जिला अस्पताल में सोनोग्राफी जांच के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं एवं अन्य मरीजों को जमीन या फर्श पर न बैठना पड़े, इसके लिए प्रतीक्षालय में पर्याप्त कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। साथ ही शेड, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी तत्काल प्रभाव से सुनिश्चित की गई हैं। मातृशक्ति और आम नागरिकों को मिले सम्मानजनक स्वास्थ्य सुविधाएं केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिले में मातृशक्ति एवं आम नागरिकों को सहज, समयबद्ध और सम्मानजनक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

वन्यजीव सप्ताह में वन विहार में विभिन्न कार्यक्रम हुए

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



2 अक्टूबर को 'जुड़े आवास, वन्यजीवन का विकास थीम पर आयोजित राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह 2026 के अवसर पर पक्षी अवलोकन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में यूथ हास्टल, शासकीय नूतन एवं अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के कुल 109 प्रतिभागियों ने पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों का दर्शन किये। पक्षी अवलोकन के दौरान पक्षी प्रेमियों को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पाए जाने वाले विभिन्न पक्षियों की पहचान, उनके व्यवहार, आवास एवं पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर लगभग 54 पक्षी प्रजातियों का अवलोकन किया गया। देखे गए प्रमुख पक्षियों में लिटिल कार्मोरेंट इंडियन पैराडाइज फ्लाइकेचर, इंडियन रॉबिन , प्लम हेडेड पैराकीट ,स्पॉटेड डव , ब्लैक ड्रोंग, सहित अनेक अन्य प्रजातियाँ शामिल रहीं। पक्षी अवलोकन में स्रोत व्यक्ति के रूप में डॉ. संगीता राजगीर, मोहम्मद खलीक, गौरा जोशी एवं संकल्प किशनानी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को पक्षी अवलोकन की बारीकियों, पक्षियों की पहचान तथा उनके संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सहायक संचालक वन विहार डॉ. रूही हक द्वारा किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य आमजन एवं प्रकृति प्रेमियों में पक्षियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जैव विविधता के संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित करना था। प्रतिभागियों ने इस गतिविधि में विशेष रुचि दिखाई और प्रकृति के साथ जुड़ने का अनुभव प्राप्त किया। वन्यजीव सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 02 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में जन-जागरूकता के उद्देश्य से 'मध्यप्रदेश के वन्यजीव' विषय पर स्टोन पेंटिंग एवं वुडन टाइल पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

गांधी जयंती पर मंत्री विश्वास सारंग ने खरीदे खादी के वस्त्र, स्वदेशी अपनाने का दिया संदेश

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को जवाहर चौक स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन पहुंचकर खादी वस्त्रों एवं स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी की। मंत्री श्री सारंग ने नरेला विधानसभा क्षेत्र स्थित पंजाबी बाग गुरुद्वारे में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में पंजाबी समाज के बंधुओं के साथ श्रमदान किया। इसके साथ ही मंत्री श्री सारंग ने व्यक्तिगत स्वच्छता ही सेवा के तहत छोला स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर प्रांगण की भी सफाई की। इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बापू का जीवन सत्य, अहिंसा, सादगी और स्वच्छता का संदेश देता है। उनके विचार आज भी हमारे लिए उतने ही प्रासंगिक हैं। गांधी ने देशवासियों को स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी थी। आज गांधी जयंती पर हमें उनके विचारों को अपने जीवन में उतारने और स्वदेशी को जन-जन की पसंद बनाने का संकल्प लेना चाहिए। मंत्री श्री सारंग ने नरेला विधानसभा क्षेत्र स्थित पंजाबी बाग गुरुद्वारे में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में पंजाबी समाज के बंधुओं के साथ श्रमदान किया। साथ ही मंत्री श्री सारंग ने व्यक्तिगत स्वच्छता ही सेवा के तहत छोला स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर प्रांगण की भी सफाई की। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता को केवल व्यक्तिगत आदत नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रसेवा का माध्यम माना था। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब स्वच्छता हमारी आदत, हमारी जिम्मेदारी और हमारे संस्कार का हिस्सा बने। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खादी महज एक वस्त्र नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता, स्वावलंबन और देश के कारीगरों एवं बुनकरों के सम्मान का प्रतीक है। खादी और स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी के माध्यम से हम न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हैं बल्कि मेहनतकश कारीगरों, बुनकरों और छोटे उद्यमियों के सपनों को भी संबल प्रदान करते हैं।

17 अक्टूबर तक 30 हजार नवीन आवासों की स्वीकृति का लक्ष्य

भोपाल। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को पक्के आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। यह विशेष अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत आगामी 17 अक्टूबर तक प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में 30 हजार नवीन आवासों की स्वीकृति देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्धारित लक्ष्य की समयसीमा में पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रदेशभर के नगरीय निकायों में विशेष कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। इन कैंपों का मुख्य उद्देश्य पात्र हितग्राहियों तक योजना की संपूर्ण जानकारी पहुंचाना, पात्रता मानदंडों और आवश्यक दस्तावेजों से अवगत कराना तथा आवास स्वीकृति की पूरी प्रक्रिया को सरल और त्वरित बनाना है।

बैरसिया में स्वच्छता अभियान का शुभारंभ, दीपावली तक चलेगा सफाई का महाअभियान

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**



2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को बैरसिया नगर में विशेष स्वच्छता अभियान का शुभारंभ रेंज चौराह मंदिर से किया गया। नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह विशेष सफाई अभियान दीपावली तक जारी रहेगा। अभियान के शुभारंभ अवसर पर जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नगर के गणमान्य नागरिकों और नगर पालिका की टीम ने सक्रिय सहभागिता की। स्वच्छता अभियान के दौरान पूर्व सांसद सुरेंद्र सिंह ठाकुर, क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री, पूर्व विधायक जौधाराम गुर्जर,पूर्व विधायक भक्तपाल सिंह राठौड़, नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़, एल्डरमैन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित भाजपा-कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, समाजसेवी और बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे। अभियान के शुभारंभ पर जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने स्वयं हाथों में झाड़ू थामी और रेंज चौराह से सफाई अभियान की शुरुआत की। सड़क किनारे जमा कचरे की सफाई के बाद टीम दशहरा मैदान पहुंची,जहां व्यापक स्तर पर साफ सफाई की गई। इसके बाद मेन रोड होते हुए कृषि उपज मंडी समिति परिसर में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर पालिका द्वारा चलाया जा रहा विशेष स्वच्छता अभियान दीपावली तक जारी रहेगा। अभियान के तहत बैरसिया नगर के प्रत्येक वार्ड में सफाई अभियान आयोजित किए जाएंगे। इसमें नगर पालिका की टीम के साथ जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। पूर्व सांसद सुरेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वच्छता को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना था। उनके विचारों को आगे बढ़ाते हुए बैरसिया को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। स्वच्छता अभियान को केवल एक दिन तक सीमित न रखते हुए इसे जनअभियान का रूप देना जरूरी है।

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में 92वें सूबेदार/ उप निरीक्षक बैच के प्रशिक्षण का शुभारंभ

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल में 92वें सूबेदार/उप निरीक्षक बैच के बुनियादी प्रशिक्षण का शुभारंभ निदेशक/विशेष पुलिस महानिदेशक, पुलिस अकादमी श्री रवि कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में हुआ। इस आधारभूत प्रशिक्षण में वर्ष 2025 बैच के चयनित कुल 286 प्रशिक्षु सूबेदार/उप निरीक्षक (182 पुरुष एवं 104 महिला) शामिल हैं। प्रशिक्षण में पारंपरिक पुलिसिंग के आधारभूत ज्ञान के साथ वर्तमान समय की पुलिसिंग आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक, साइबर अपराध अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.), नेतृत्व क्षमता, सामुदायिक पुलिसिंग एवं प्रशासनिक दक्षता जैसे विषयों को विशेष रूप से शामिल किया गया है। तीन माह के बुनियादी प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को आंतरिक प्रशिक्षण के अंतर्गत पुलिस संगठन एवं प्रशासनिक व्यवस्था, कानून का प्रारंभिक एवं व्यावहारिक ज्ञान – भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम सहित अन्य महत्वपूर्ण अधिनियम, पुलिस कार्यप्रणाली एवं पुलिस रेग्यूलेशन, व्यक्तित्व विकास, मानव व्यवहार, पुलिस में नैतिकता एवं प्रबंध कौशल एवं कम्प्यूटर अवेयरनेस एवं पुलिस कार्यों में कम्प्यूटर का प्रभावी उपयोग विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों में कानून एवं न्यायिक व्यवस्था की समझ, उप निरीक्षक/सूबेदार के अधिकार एवं सीमाओं का ज्ञान, विभिन्न राज्य एवं केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय, सामुदायिक पुलिसिंग तथा अपराध अनुसंधान की व्यावहारिक दक्षता विकसित करने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

स्वच्छता को अपनी आदत बनाएं, स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में दें योगदान : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को जन-जन का आंदोलन बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ अस्पताल, स्वच्छ परिसर और स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश को आत्मसात करते हुए स्वच्छता को अपनी आदत बनाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गांधी जयंती के अवसर पर जयप्रकाश जिला चिकित्सालय, भोपाल में आयोजित स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते हुए अस्पताल परिसर में साफ-सफाई एवं श्रमदान किया। उन्होंने चिकित्सालय के मातृ एवं शिशु रोग विभाग के सामने ऑक्सीजन प्लांट के पास स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चिकित्सालय के समस्त स्टॉफ को स्वच्छता बनाए रखने, साफ-सफाई एवं श्रमदान में निरंतर योगदान देने की शपथ दिलाई। उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सार्वजनिक स्थलों एवं अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प भी दिलाया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति अपने घर, कार्यस्थल, अस्पताल और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी निभाए। सामूहिक सहभागिता से ही स्वच्छ, स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण का संकल्प साकार होगा।

थाना पुलिस ने सराफा व्यापारी की दुकान से 205 ग्राम सोना व आभूषण चोरी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया

भोपाल। पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल संजय कुमार द्वारा शहर में अपराध पर नियंत्रण हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल शैलेन्द्र सिंह चौहान व पुलिस उपायुक्त जोन-03 भोपाल आयुष गुप्ता,अति.पुलिस उपायुक्त जोन-03 भोपाल श्रीमती शालिनी दीक्षित,सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली संतोष पटेल के द्वारा प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये गये जिसके तारतम्य व निर्देशन के पालन में थाना प्रभारी निरीक्षक अपाला सिंह थाना कोतवाली के द्वारा थाना स्तर पर टीम गठित कर अपचारी बालक एवं अन्य साथी मोंटू उर्फ मानव, अनुराग एवं प्रिंस यादव को विभिन्न स्थानो से गिरफ्तार कर करीबन 40 लाख का मशरूका जप्त किया गया। दिनांक 17.09.26 को फरियादी देवांश अग्रवाल पिता जय प्रकाश अग्रवाल उम्र 27 साल निवासी म.नं. 54 गुरुजुपुरा थाना कोतवाली भोपाल थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट किया कि मेरी झंकार गोल्ड के नाम से ललवानी गली च.ह. मार्केट में दुकान चलाता हूँ मेरी दुकान में रोहित चंदेल नाम का लड़का विगत 03 माह से काम कर रहा है एक डिब्बे में 205 ग्राम सोने का टुकड़ा व दूसरे डिब्बे में गोल्ड के कुछ आभूषण और नगदी 6000/- रूपये चोरी कर ले गया फरियादी की सूचना पर थाना कोतवाली भोपाल में अपराध क्रमांक 230/2026 धारा 306 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया।

लायंस ऑफ भोपाल ने मनाई गांधी एवं शास्त्री जयंती

भजन, राष्ट्रगीत एवं संगीत की प्रस्तुतियों से गूंजा समारोह

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**





लायंस ऑफ भोपाल की ओर से शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन महेश मालवीय रहे, जबकि अध्यक्षता लायंस ऑफ भोपाल के समन्वयक लायन हरिओम जटिया ने की। कार्यक्रम में दोनों महापुरुषों के विचारों और आदर्शों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में लायन महेश मालवीय एवं लायन हरिओम जटिया ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उपस्थित सभी सदस्यों ने भी दोनों महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर हरिओम जटिया ने कहा कि महात्मा गांधी का सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का संदेश तथा लाल बहादुर शास्त्री का सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा की भावना आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। समारोह में आर.के. शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा भजन, राष्ट्रगीत एवं संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों और प्रस्तुतियों ने वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। उपस्थितजनों ने कार्यक्रम का आनंद लेते हुए कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रप्रेम और सामाजिक सेवा की भावना को आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया गया। समारोह में पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन जयपाल सचदेव, लायन एम.के. जैन, लायन कमल भंडारी, कैबिनेट सेक्रेटरी लायन शीला तिवारी, रीजन चेयरपर्सन लायन फौजिया अली सहित विभिन्न लायंस क्लबों के अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088